तापमान
अधिकतम 24.1 डिग्री
न्यूनतम 5.5 डिग्री

हरिभूमि
सोनीपत भूमि
रोहतक, मंगलवार 20 जनवरी 2026

11 राष्ट्रीय व्यापी हड़ताल की तैयारी, ज्ञापन सौंपा

12 दीपाली बीसीए छठे सेमेस्टर की यूनिवर्सिटी टॉपर बनी

खबर संक्षेप

मटिंडू स्कूल को भेंट किए पांच सीसीटीवी

खरखौदा। राजकीय मॉडल संस्कृति विद्यालय मटिंडू की सुरक्षा व्यवस्था को सुदृढ़ करने के लिये नवीन राणा ने विद्यालय को पांच सीसीटीवी कैमरों का सहयोग प्रदान किया। इस अवसर पर विद्यालय के प्राध्यापकों के साथ सामाजिक सहयोगी बजरंग व बिजेंद्र जांगड़ा आदि उपस्थित रहे। विद्यालय प्रशासन ने कहा कि सीसीटीवी कैमरों से न केवल सुरक्षा बढ़ेगी, बल्कि छात्रों में अनुशासन और जिम्मेदारी की भावना भी विकसित होगी। कार्यक्रम के अंत में विद्यालय परिवार की ओर से नवीन राणा का आभार व्यक्त किया गया तथा भविष्य में भी इसी प्रकार के सहयोग की अपेक्षा जताई गई।

तिहाड़ कलां में अचेत मिली नीलगाय

सोनीपत। जिले के तिहाड़ कलां गांव के खेतों में एक नर नीलगाय अचेत अवस्था में मिलने से क्षेत्र में हड़कंप मच गया। ग्रामीणों ने तुरंत रक्षक सेना से मनजीत तिहाड़ा को इसकी सूचना दी। सूचना मिलते ही मनजीत तिहाड़ा अपनी टीम के साथ मौके पर पहुंचे। इसके बाद गांव के ट्रैक्टर चालक अनिल अपना ट्रैक्टर लेकर मौके पर पहुंचे। ग्रामीणों और ट्रैक्टर की सहायता से नीलगाय को सावधानीपूर्वक खेतों से बाहर निकालकर सड़क तक लाया गया। तत्पश्चात उपचार केंद्र से संपर्क कर एंबुलेंस बुलाई गई, जिसके माध्यम से नीलगाय को उपचार के लिए बड़वासनी भेजा गया। साथ ही पूरे मामले की सूचना वन्य जीव विभाग सोनीपत को फोन के माध्यम से दी गई।

बाल विवाह के दुष्प्रभावों के प्रति किया जागरूक

सोनीपत। बाल विवाह मुक्त भारत अभियान के अंतर्गत सोमवार को जिला विधिक सेवाएं प्राधिकरण सोनीपत एवं एमडीडी ऑफ इंडिया के संयुक्त सहयोग से जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए गए।इस अवसर पर पैनल अधिवक्ता मानस्वी द्वारा गांव औरंगाबाद में तथा इर्रा रानी द्वारा गांव भिगान में कार्यक्रम आयोजित किए गए। कार्यक्रमों में ग्रामीणों महिलाओं युवाओं और बच्चों को बाल विवाह के सामाजिक शैक्षणिक स्वास्थ्य और कानूनी दुष्परिणामों की जानकारी दी गई।

अधिकारियों ने निरीक्षण के दौरान ही थमाए नोटिस, दोबारा नियमों का उल्लंघन करने पर सील होंगे भवन

नगर निगम की सख्ती : ग्रैप नियमों की अवहेलना करने पर 20 भवन मालिकों पर 2 लाख का जुर्माना

हरिभूमि न्यूज ⏭ सोनीपत

नगर निगम ने ग्रेडेड रिस्पांस एक्शन प्लान (ग्रैप) के चौथे चरण में बढ़ते प्रदूषण को लेकर बड़ी कार्यवाही की है। प्रतिबंध के बावजूद निर्माण कार्य जारी रखने वाले 20 भवन मालिकों पर कार्यवाही करते हुए उन पर 2 लाख रुपये का जुर्माना लगाया गया। अधिकारियों ने निरीक्षण कर संबंधित लोगों को मौके पर नोटिस भी जारी किया है।

साथ ही उन्हें हिदायत दी गई है कि अगर वह दोबारा नियम का उल्लंघन करते पाए गए तो उनके भवन सील कर दिए जाएंगे।

सोनीपत। निगम ने दुकान के ऊपर चल रहा निर्माण कार्य रुकवाया।

दस-दस हजार रुपये का जुर्माना

एनजीटी ने प्रदूषण का स्तर बढ़ने के चलते ग्रेप का चौथा चरण लागू होने से निर्माण कार्यों पर रोक लगाई है। इसके बावजूद कई जगह नियमों को दरकिनार कर निर्माण कार्य करवाए जा रहे हैं। नगर निगम के उच्च अधिकारियों ने ऐसे लोगों से निपटने के लिए टीम का गठन किया है, जो फिल्ड में निरीक्षण कर नियमों की अवहेलना करने वालों से निपटने को तैयार हैं। नगर निगम की टीम ने सोमवार को 20 निर्माण कार्यों को रुकवाया। साथ ही भवन मालिकों पर 10-10 हजार रुपये का जुर्माना लगाया गया।

निर्माण कार्य पर पूर्ण रूप से रोक, जुर्माना न भरने पर प्रॉपर्टी टैक्स में जोड़ा जाएगा

नगर निगम के भवन निरीक्षक आनंद ने बताया कि ग्रेप-4 में निर्माण कार्यों पर पूर्ण रूप से रोक लगाई गई है। ऐसे में यदि कोई नियमों की अवहेलना करता पाया जाता है तो उसके खिलाफ कार्यवाही अमल में लाई जाएगी। इसी के तहत सोमवार को 20 लोगों पर जुर्माना लगाया गया है। जुर्माना न भरने पर संबंधित लोगों पर कानूनी कार्रवाई की जाएगी। साथ ही रिकवरी के लिए जुर्माना राशि को प्रापर्टी टैक्स में जोड़ा जाएगा।

आरओबी के चौड़ीकरण पर पीडब्ल्यूडी 'असमर्थ', पैमाइश के बाद 'हाथ खाली'

■ मिशन रोड आरओबी के साथ दुकानों के लिए तलाशा जा रहा विकल्प, विधायक व व्यापार मंडल में जल्द हो सकती है बैठक

रविंद्र ठाकुर ⏭ सोनीपत

ओल्ड रोहतक रोड पर मिशन चौक की ओर बने रेलवे ओवरब्रिजके चौड़ीकरण पर पीडब्ल्यूडी असमर्थ है। पैमाइश करवाने के बाद विभाग को आरओबी के चौड़ीकरण के लिए जगह नहीं मिल पाई है। उधर नायब सिंह सैनी सरकार के करीब डेढ़ साल बीतने के बाद भी शहर का यह सपना अधूरा है। आरओबी के चौड़ीकरण को लेकर शहरवासी 9 साल से मांग कर रहे हैं। ऐसे में विभाग के पास एक विकल्प बचा है कि आरओबी के साथ नगर निगम व निजी दुकानदारों को अन्य जगह दुकानें मुहैया करवाकर आरओबी का चौड़ीकरण करवाया जा सकता है। मामले में विधायक व जिला व्यापार मंडल के बीच जल्द बैठक हो सकती है। इससे पहले आरओबी के चौड़ीकरण को लेकर लोक निर्माण विभाग जमीन के लिए रेलवे से भी एनओसी की मांग कर चुका है, लेकिन रेलवे ने आज तक विभाग को कोई जवाब नहीं दिया है। उधर विभाग कई बार जगह मुहैया करवाने की मांग कर चुका है, ताकि योजना को जल्द सिरे चढ़ाया जा सके। शहर की इस पुरानी मांग को विधायक निखिल मदान ने नवंबर 2024 में विधानसभा सत्र में उठाया था। सत्र में लोक निर्माण विभाग के मंत्री के आश्वासन के बाद विधायक व पंचकूला से चीफ इंजीनियर हनुमंत सांगवान ने मई 2025 में विभाग के अधिकारियों के साथ मौके का निरीक्षण कर संभावनाओं को तलाशा था। आरओबी का निरीक्षण कर विधायक ने अधिकारियों के समक्ष दो सुझाव रखे थे।

- मई 2025 में तलाशी गई थी आरओबी को चौड़ा करने की संभावनाएं, विधायक ने अधिकारियों के समक्ष रखे थे दो सुझाव, दोनों फेल
- विधायक व लोक निर्माण विभाग के चीफ इंजीनियर हनुमंत सांगवान कर चुके निरीक्षण

दुकानें स्थानांतरण के लिए व्यापारियों की सहमति जरूरी

विधायक ने कहा था कि आरओबी के दोनों तरफ जगह बढ़ाकर चौड़ीकरण किया जा सकता है। मिशन रोड पर नगर निगम की दुकानों को स्थानांतरित करने की बात कही गई थी। वहीं, कुछ दुकानें निजी हैं जिन पर व्यापारियों की सहमति जरूरी है। दुकानदारों ने भी सर्वसम्मति के लिए कुछ समय मांगा था। मामले में जल्द विधायक व जिला व्यापार मंडल के बीच बैठक होने की बात सामने आई है। अगर बैठक में संबंधित प्रस्ताव सहमति बनती है तो आरओबी के चौड़ीकरण का विकल्प सामने आ सकता है।

सिरे नहीं चढ़ पाए दो विकल्प

विधायक के दिए विकल्पों में हिंदू महाविद्यालय के पास से सारंग रोड स्थित रेलवे पार्क के पास अंडरपास बनाने का प्रस्ताव रखा गया था। आरओबी के साथ रेलवे विभाग की भी जमीन लगती है। आरओबी के चौड़ीकरण पर आगामी फैसला लेने के लिए विभाग ने रेलवे से एनओसी की मांग की थी, लेकिन अब तक कोई जवाब नहीं मिला है। इसके अलावा विभाग के अधिकारियों को आरओबी के दोनों ओर की जमीन की पैमाइश करवाने के निर्देश दिए थे, लेकिन पैमाइश में जगह नहीं मिल पाई। ऐसे में दोनों विकल्प सिरे नहीं चढ़ पाए।

सुविधा के बजाय फजीहत बना आरओबी

शहर के दो भागों को आपस में जोड़ने व गोहाना रोड रेलवे फाटक पर जाम की स्थिति से निपटने के लिए वर्ष 2011 में पूर्व मुख्यमंत्री भूपेंद्र सिंह हुड्डा ने आरओबी के निर्माण का शिलान्यास किया था। फरवरी 2015 में केंद्रीय मंत्री एवं तत्कालीन मुख्यमंत्री मनोहरलाल ने 24 करोड़ से तैयार आरओबी का उद्घाटन कर इसका नामकरण डॉ. कृष्ण बावेजा के नाम पर किया था। तभी से आरओबी से चार पहिया वाहन चालक केवल मिशन चौक की तरफ उतर सकते हैं। यहां से वापस जाने का विकल्प नहीं है। ऐसे में आरओबी सुविधा के बजाय शहरवासियों के लिए फजीहत बना है।

जिला व्यापार मंडल से परामर्श मांगा जाएगा

आरओबी का चौड़ीकरण करवाने के लिए साथ बनी दुकानों को दूसरी जगह स्थानांतरण करवाने का विकल्प शेष बचा है। मामले में जल्द जिला व्यापार मंडल के साथ बैठक कर परामर्श मांगा जाएगा। अगर दुकानदार अन्य जगह दुकानें लेने के लिए राजी हो जाते हैं तो जल्द ही आरओबी के चौड़ीकरण का कार्य शुरू करवाया जाएगा।

- **निखिल मदान**, विधायक, सोनीपत

सरकार का हस्तक्षेप जरूरी

आरओबी के चौड़ीकरण मामले में सरकार का हस्तक्षेप जरूरी है। अब मामले को हल्के में लिया जा रहा है। हालांकि अब तक इस विषय पर कोई बैठक नहीं की गई है। जब तक सरकार मार्क करवाकर दुकानों की जानकारी व्यापार मंडल को नहीं देती, तब तक आगामी निर्णय नहीं लिया जा सकता। शहर के इस पुराने मामले में व्यापार मंडल हर तरह से सरकार का सहयोग करने के लिए तैयार है।

-**संजय सिंगला**, प्रधान, जिला व्यापार मंडल

रेलवे से भी एनओसी मांगी

आरओबी के चौड़ीकरण के लिए विभाग के पास अपनी जमीन नहीं है। आरओबी का कुछ हिस्सा रेलवे की जमीन पर बना हुआ है। ऐसे में रेलवे की बिना अनुमति के कोई कार्य शुरू नहीं करवाया जा सकता है। विभाग ने आरओबी का चौड़ीकरण करवाने के लिए रेलवे से एनओसी की मांग की थी, जिस पर कोई जवाब नहीं मिला है। विभाग जगह मिलने के बाद ही आरओबी के चौड़ीकरण पर निर्णय ले सकता है।

-**राकेश कुमार**, उपमंडल अभियंता, लोक निर्माण विभाग

वर्ल्ड यूनिवर्सिटी ऑफ डिजाइन में घुसा अजनबी छात्रों के साथ कहासुनी

हरिभूमि न्यूज ⏭ सोनीपत

राजीव गांधी एजुकेशन सिटी, राई स्थित वर्ल्ड यूनिवर्सिटी ऑफ डिजाइन में तड़के तीन बजे एक व्यक्ति घुस गया। आरोप है उसने विश्वविद्यालय परिसर में छात्रों बहस करने और हॉस्टल में जाकर दरवाजों पर दस्तक दी। विश्वविद्यालय प्रशासन ने तुरंत पुलिस को सूचना दी, जिसके आधार पर प्राथमिकी दर्ज की गई है। विवि के चीफ वार्डन ने पुलिस को बताया कि एक व्यक्ति संदिग्ध हालात में विश्वविद्यालय परिसर में दाखिल हो गया। उसकी गतिविधियों से छात्र-छात्राएं घबरा गए। आरोप है कि आरोपी ने कुछ छात्रों के साथ बहस की और हॉस्टल क्षेत्र में पहुंचकर दरवाजों पर दस्तक दी। इससे हॉस्टल में रह रहीं छात्राओं में भय का माहौल बन गया और उन्होंने तुरंत वार्डन को इसकी सूचना दी। घटना की जानकारी मिलते ही विश्वविद्यालय के चीफ वार्डन मौके पर पहुंचे और स्थिति को संभाला। इसके बाद राई थाना पुलिस को सूचित किया गया। चीफ वार्डन की शिकायत पर पुलिस ने आरोपी के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज की और त्वरित कार्रवाई करते हुए दिल्ली के द्वारका निवासी देवाशीष को गिरफ्तार कर लिया है।

- वार्डन की सूचना पर पुलिस ने गिरफ्तार किया

अल सुबह तीन बजे हॉस्टल के दरवाजे पीटने से दहशत में आए विवि के विद्यार्थी

सोनीपत। पुलिस की गिरफ्त में आरोपी।

परिवार बोला- मानसिक रूप से परेशान, पांच साल से चल रहा इलाज

हालांकि बाद में परिवार के लोगों ने बताया कि वह मानसिक रूप से पूरी तरह स्वस्थ नहीं है। उनका करीब पांच साल से उपचार चल रहा है। थाना प्रभारी जसपाल सिंह ने बताया कि पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है। मामले की जांच की जा रही है

सोनू हत्याकांड : एसीपी से मिले परिजन, एक अन्य युवक पर शक जताया

गन्नौर। बेगा गांव में सोनू उर्फ टीटा की हत्या के मामले में गिरफ्तार हुआ आरोपित फिरोज का रिमांड समाप्त हो गया। रिमांड के दौरान आरोपितों से वारदात में प्रयुक्त लोहे का पाइप, हथौड़ी, बाइक और घटना के समय पहने गए कपड़े बरामद कर लिए हैं। आरोपित फिरोज को पुलिस ने अदालत में पेश किया जहां आदेशानुसार आरोपित को जेल भेज दिया। वहीं गिरफ्तारी हुए बाकी दोनों आरोपित कुलदीप व संजय का रिमांड मंगलवार को समाप्त होगा। वहीं सोनू उर्फ टीटा की हत्या के बाद स्वजन सोमवार को एसीपी ऋषिकांत से मिले उन्होंने हत्या के मामले में एक और युवक के शामिल होने की आशंका जताई।

युवक की हत्या कर शव यमुना किनारे दबाया था

स्वजन व ग्रामीणों ने युवक को भी जांच में शामिल कर उससे पूछताछ करने की मांग करते हुए एसीपी को शिकायत सौंपी। एसीपी ऋषिकांत ने आश्वासन दिया कि वह उनकी शिकायत पर पुलिस जांच करेगी और यदि वह हत्या में शामिल पाया गया तो निश्चित तौर पर गिरफ्तार किया जाएगा। पुलिस जांच में सामने आया कि फिरोज, संजय और कुलदीप तीनों बैठक कर शराब पी रहे थे। सोनू भी अपने एक साथी के साथ शराब पी रहा था। बाद में तीनों आरोपितों ने उसे अपने पास बुला लिया। शराब पीने के दौरान इसी बात को लेकर कहासुनी हुई, जो बाद में हिंसक झगड़े में बदल गई। पुलिस के अनुसार झगड़े के दौरान तीनों आरोपितों ने सोनू पर हमला कर दिया और लोहे की राड से वार कर उसकी हत्या कर दी। हत्या के बाद आरोपित शव बाइक पर रखकर यमुना नदी के किनारे मिट्टी खोदकर दबा दिया था।

बढ़ गया तापमान, दो दिनों तक छाए रहेंगे बादल

सोनीपत।सोनीपत में मौसम के मिजाज में लगातार उतार चढ़ाव का दौर जारी है जिससे जनजीवन प्रभावित हो रहा है। पिछले कुछ दिनों से कड़ाके की ठंड और घने कोहरे की मार झेल रहे जिला वासियों को सोमवार को खिली धूप ने बड़ी राहत प्रदान की। सुबह के समय हल्की धुंध के बाद जैसे ही सूर्य देव के दर्शन हुए लोगों के चेहरों पर चमक लौट आई। दिनभर खिली रही तेज धूप के कारण अधिकतम तापमान में बढ़ोतरी दर्ज की गई जिससे लोगों को ठिठुरन से मुक्ति मिली। हालांकि मौसम विभाग की ताजा भविष्यवाणी ने आने वाले दिनों के लिए चिंता और उत्साह दोनों बढ़ा दिए हैं क्योंकि आने वाले सप्ताह में जिले सहित प्रदेश के कई हिस्सों में बारिश की प्रबल संभावना जताई गई है।

छह किमी. प्रति घंटा की रफ्तार से चली हवाओं से प्रदूषण घटा

मौसम विज्ञान केंद्र के आंकड़ों के अनुसार सोनीपत के सरगथल क्षेत्र में न्यूनतम तापमान 5.5 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। वहीं अधिकतम तापमान करीब 24.1 डिग्री सेल्सियस तक पहुंच गया। तापमान में आए इस अंतर के कारण दिन के समय राहत रही लेकिन शाम होते ही एक बार फिर ठंडी हवाओं ने अपना असर दिखाना शुरू कर दिया। दिन के दौरान छह किलोमीटर प्रति घंटा की रफ्तार से चली हवाओं ने वायुमंडल में मौजूद प्रदूषकों को हटाने में मदद की जिससे वायु गुणवत्ता सूचकांक 136 दर्ज किया गया।

स्टेशन परिसर में लगेंगे 10 सीसीटीवी, आपराधिक घटनाओं पर लगेगा अंकुश

अंबाला-दिल्ली रेल लाइन के स्टेशनों कैमरे लगाने के लिए 2024 में तैयार हुई थी योजना

तीसरी आंख की जद में होगा राजलू गढ़ी स्टेशन, सीसीटीवी लगाने का काम शुरू

हरिभूमि न्यूज ⏭ सोनीपत

दिल्ली-अंबाला रूट पर सोनीपत का राजलू गढ़ी स्टेशन जल्द तीसरी आंख की जद में होगा। दिल्ली सहित सोनीपत के रेल अधिकारी भी सीसीटीवी के माध्यम से हर गतिविधियों पर नजर रख सकेंगे। राजलू गढ़ी स्टेशन पर सीसीटीवी लगाने का कार्य शुरू हो चुका है, यहां पूरे परिसर में 10 सीसीटीवी लगाने के साथ कंट्रोल रूम बनाया जाएगा। स्टेशन परिसर सीसीटीवी की निगरानी में होने से चोरी जैसी अपराध की घटनाओं पर अंकुश लगेगा। साथ ही आरपीएफ व जीआरपी को भी जांच में फायदा मिलेगा। राजलू गढ़ी स्टेशन पर अप-डाउन रूट पर 18 पैसेंजर ट्रेनों का ठहराव निर्धारित है। रोजाना यहां से सैकड़ों यात्री दिल्ली व अंबाला रूट पर आवागमन करते हैं। कई नौकरीपेशा दैनिक यात्री अपने कार्यालयों व छात्र-छात्राएं बड़े शहरों सोनीपत, नरेला, दिल्ली, पानीपत, करनाल स्थित शैक्षिक संस्थानों में जाने के लिए ट्रेनों से आवागमन करते हैं। सोनीपत के साथ धीरे-धीरे राजलू गढ़ी स्टेशन पर मूलभूत सुविधाओं की व्यवस्थाएं की जा रही है। साथ ही रेलवे ने अंबाला-दिल्ली रेल लाइन पर सोनीपत के विभिन्न स्टेशनों पर सीसीटीवी लगाने के लिए जून 2024 में योजना तैयार की थी। रेलवे का उद्देश्य सोनीपत के अंतर्गत आने वाले विभिन्न स्टेशनों पर सीसीटीवी लगवाकर सुरक्षा व्यवस्था को सुनिश्चित करना है। इसी को लेकर स्टेशनों पर सीसीटीवी लगवाने का कार्य रेलटेल कंपनी को सौंपा गया है। दिल्ली की इंटेक इंफोटेक प्राइवेट लिमिटेड ने राजलू गढ़ी स्टेशन पर सीसीटीवी लगाने की शुरुआत कर दी है। दूसरे चरण में राठधना व गन्नौर स्टेशन पर भी करीब 10-10 सीसीटीवी लगवाए जाएंगे।

सोनीपत। सीसीटीवी वायर बिछाने के लिए प्लेटफार्म पर उखाड़ी गई टाइलें।

कंट्रोल रूम से अधिकारी व कर्मचारी रखेंगे निगरानी

रेलवे स्टेशन पर पैसेंजर ट्रेनों के आवागमन के दौरान यात्रियों की ज्यादा भीड़ के चलते चोरी की आशंका बनी रहती है। इस समस्या को देखते हुए रेल अधिकारियों ने स्टेशन परिसर में सीसीटीवी लगवाने का निर्णय लिया, साथ ही इन्हें लगवाने का काम भी शुरू कर दिया गया है। सीसीटीवी के संचालन के लिए स्टेशन परिसर में कंट्रोल रूम भी बनाया जाएगा। कर्मचारी नियंत्रण कक्ष में बैठकर स्टेशन परिसर की निगरानी रखेंगे। साथ ही सीसीटीवी के माध्यम से हर गतिविधि पर नजर रखने के लिए दिल्ली मंडल रेल प्रबंधक (डीआरएम) कार्यालय में भी कंट्रोल कक्ष बनाया जाएगा।

सुरक्षा व्यवस्था मजबूत होगी

सोनीपत के अंतर्गत आने वाले स्टेशनों पर सीसीटीवी लगवाने की योजना पर कार्य शुरू कर दिया गया है। फिलहाल राजलू गढ़ी स्टेशन पर 10 सीसीटीवी लगवाए जा रहे हैं। सीसीटीवी लगाने से स्टेशन की सुरक्षा व्यवस्था दुरुस्त होने के साथ ही संदिग्ध गतिविधियों पर नजर रखना आसान रहेगा। जल्द ही अन्य स्टेशनों पर भी सीसीटीवी लगवाकर कंट्रोल रूम स्थापित किया जाएगा।

-**पुष्पेश रमण त्रिपाठी**
रेल प्रबंधक (डीआरएम), दिल्ली मंडल

एमडीयू कुलपति ने क्रिकेटर अदिति श्योराण को स्पोर्ट्स एक्सीलेंस अवार्ड से नवाजा

गन्नौर। हरियाणा की उभरती युवा क्रिकेटर अदिति श्योराण को महर्षि दयानंद विश्वविद्यालय (एमडीयू) रोहतक की ओर से खेल क्षेत्र में उनकी उपलब्धियों के लिए स्पोर्ट्स एक्सीलेंस अवार्ड से नवाजा गया है। एमडीयू खेल विभाग की ओर से यह प्रतिष्ठित सम्मान नाथ जोन इंटर यूनिवर्सिटी महिला क्रिकेट टूर्नामेंट के समापन समारोह में दिया गया। इस मौके पर एमडीयू कुलपति प्रो. राजबीर सिंह ने अदिति श्योराण को सम्मानित करते हुए कहा कि हरियाणा की इस बेटी ने अपनी प्रतिभा ही नहीं, जज्बे से बहुत ही कम उम्र में कई उपलब्धियां हासिल कर राज्य की अनेक बेटियों के लिए मिसाल पेश की है। सम्मान समारोह की मुख्य अतिथि डा. शरणजीत कौर, खेल विभाग निदेशक डा. शकुंतला बेनीवाल ने अदिति की उपलब्धियों को सराहा।

चंडीगढ़ प्रशासन की क्रिकेट एकेडमी में ट्रेनिंग लेने वाली पहली महिला क्रिकेटर

अदिति श्योराण मूल रूप से सोनीपत के दुमेटा गांव की निवासी है। अदिति ने स्कूल स्तर की शुरुआती पढ़ाई खानपुर स्थित ग्लोबल पब्लिक स्कूल से की है। वह इस समय चंडीगढ़ के सेक्टर-9 स्थित कार्मल कान्वेंट स्कूल में दसवीं की छात्रा है। साथ ही चंडीगढ़ प्रशासन की सेक्टर-16 स्थित क्रिकेट एकेडमी में ट्रेनिंग ले रही हैं। इस एकेडमी में दाखिला पाने वाली अदिति श्योराण पहली महिला क्रिकेटर भी है। स्टेट, नेशनल और बीसीसीआइ अंडर-15 और अंडर-19 स्तर पर बीते चार वर्षों से खेल रही हैं । नेशनल स्कूल लेवल पर अदिति अंडर-19 चंडीगढ़ गर्ल्स क्रिकेट टीम की सबसे युवा कप्तान भी रही हैं। यूटीसीए जोनल टूर्नामेंट के अलावा चंडीगढ़ में इंटर स्कूल स्टेट लेवल पर गर्ल्स टीम की कप्तान रही हैं। अदिति की खेल उपलब्धियों के लइए चंडीगढ़ प्रशासन की ओर से 15 अगस्त 2025 को स्टेट अवार्ड से नवाजा जा चुका है।

हरिभूमि
सहेली

विशेषः गणतंत्र दिवस
वसंत पंचमी, बालिका दिवस

भारतीय स्त्रियां गणतांत्रिक व्यवस्था के प्रति पूरी आस्था रखती हैं, वे इसे व्यापक संदर्भों में देखती हैं। उनके लिए गणतंत्र केवल एक राजनीतिक व्यवस्था नहीं, परिवार-समाज की एक ऐसी संरचना है, जो आपस में सबको जोड़ती है। स्त्रियों का मानना है, घर का संविधान शब्दों में नहीं, व्यवहार में लिखा जाता है, जो जीवन मूल्य सहेजता है। आज की स्त्रियों का यह भी मानना है कि घर-परिवार का लोकतंत्र मजबूत है तो देश का गणतंत्र भी हमेशा मजबूत रहेगा।

नए युग में स्त्री के लिए गणतंत्र के मायने

आवरण कथा

कल्पना मनोरमा, साहित्यकार

कभी-कभी बदलाव शोर मचाकर नहीं, दबे पांव भी आते हैं और भीतर ही भीतर विचलित कर देते हैं। ऐसे बदलाव धीरे से आकर हमारे भीतर बैठ जाते हैं, हमें पता तब चलता है, जब हम स्वयं को पहले जैसा नहीं पाते। इस तकनीकी युग के आगमन के साथ स्त्री की सजगता और स्वतंत्रता के दायरे में एक मौन के साथ गहरा बदलाव घटित हुआ है। यह बदलाव केवल सुविधा का नहीं, बल्कि मां के अनुभव और उसकी नैतिक समझ को चुनौती देने वाला है, मानो समय के प्रवाह में अचानक आईने रख दिए गए हों, जिनमें स्त्री को स्वयं को नए सिरे से देखने की चुनौती आ खड़ी हुई हो। खासतौर पर वे स्त्रियां, जिनके बच्चे बढ़ रहे हैं, पढ़ रहे हैं। जिन्हें बच्चों के अनुभव, अनुभूति, अभिव्यक्ति को तराशना है, उनके लिए यह तकनीकी दौर का संविधान, पहेली जैसा है।

बदलते समय का चक्रः सत्तर के दशक की मां के हाथ में छड़ी होती थी। वह छड़ी क्रूरता का प्रतीक नहीं, बल्कि वह स्पष्टता का संकेत थी। उसमें सीमा थी, अनुशासन था, और एक ऐसी नैतिक रेखा थी, जिसे लांघने से पहले बच्चा ठिठकता था, सोचता था, डरता था। फिर भी उस दौर की मां को उसकी संतान डर से नहीं, प्रेम, भरोसे और एक सहज स्नेह के साथ देखती थी। समय बदला। मां ने भी समय के साथ स्वयं को बदला। मांओं की दुनिया में घर के अलावा विद्यालय, ऑफिस, हवाई अड्डे, बस अड्डे आदि जुड़ने लगे तो उनके हाथ में छड़ी की जगह उपहार आ गए, संवाद, सुविधा, समझाइश, सहमति। यह परिवर्तन किसी हार का नहीं, संवेदनशीलता के विस्तार की यात्रा के रूप में देखा गया। लेकिन समय यहीं नहीं रुका। यह ऐसा समय है, जो न छड़ी से अनुशासित होता दिख रहा है और न ही उपहारों से साधा जा सकता है। यह न स्नेह से पिघलता है, न डांट से रुकता है। यहां स्कूल का होमवर्क हो या बहुराष्ट्रीय कंपनियों का जटिल डेटा, सब कुछ क्षण भर में सुलझ जाता है। स्त्री यह सब देख रही है।

जटिलताओं का अंबारः मां की भूमिकाएं बदल रही हैं। आज की स्त्री के पास जटिलताओं का अंबार है। उसे अपने भीतर ठहरकर सोचना होगा कि यदि सब कुछ इतना तात्कालिक, असुविधा रहित होता चला गया, तो अनुभव कहां जाएगा? संघर्ष कहां टिकेगा? चिंतन की वह धीमी आग कहां सुलगेगी, जो मनुष्य को मनुष्य बनाने में मदद करती है। ऐसी विधि जो मनुष्य को केवल सक्षम नहीं, संवेदनशील भी बनाती है। भय यह नहीं है कि एक दिन मशीन मनुष्य बन जाएगी। भय यह है कि मनुष्य अपने सोचने, ठहरने और गलती करने के अधिकार से वंचित हो जाएगा, और तब यह दुनिया कैसी होगी, इसकी कल्पना ही सिहरन पैदा करती है, क्योंकि जिस गति से मनुष्य दौड़ रहा है, वह मानव तो रहने वाला है नहीं। यहीं से स्त्री का गणतंत्र जन्म लेता है। किसी उद्घोष से नहीं, बल्कि इस गहरी चिंता से कि मनुष्य कैसे बचा रहे?

स्त्री के लिए संविधान शब्दों से नहीं व्यवहार से लिखा जाता हैः अंतिम निर्णय किसी बाहरी व्यवस्था से नहीं, मनुष्य के भीतर रचे गए विवेक से जन्म लेता है। स्त्री इस विवेक को जानती है, इसलिए उस पर भरोसा करती है। उसके घर का संविधान शब्दों में नहीं, व्यवहार में लिखा जाता है, जहां संवेदना कोई सजावटी मूल्य नहीं, बल्कि जीवन की अमूल्य शर्त है। वहां दक्षता उपयोगी हो सकती है, पर निर्णायक नहीं, उपलब्धि दिख सकती है, पर मनुष्यता से बड़ी नहीं होती। आज की स्त्री दोहरे मोर्चों पर डटी है। वह ऐसा घर बनाना चाहती है, जहां गणतंत्र किसी एक दिन का उत्सव नहीं, रोज का अभ्यास बने। छोटे-छोटे निर्णयों में, सुने गए प्रश्नों में, रोके गए मुद्दों में और उस सावधानी में, जिससे मनुष्य को परिणामों में नहीं बदला।

आज की सबसे बड़ी चुनौतीः स्त्री जानती है कि प्रतीक जरूरी हैं, पर संरचना सजगता से बनती है। आज की स्त्री अनुभव से सीख चुकी है कि यदि घर के भीतर लोकतंत्र जीवित है, तो वह अपने घर को प्रयोगशाला नहीं बनने देगी। वह नहीं चाहेगी कि बच्चे आंकड़ों में ढलें और संबंध माप-तौल में सिमट जाएं। आज की स्त्री की समझ सीधी भी है और गहरी भी। अगर नहीं है तो वह अपनी समझ गहरी करती है, क्योंकि घर के भीतर लोकतंत्र जीवित रहा, तो देश के गणतंत्र को बचाने के लिए बाहर किसी संघर्ष की आवश्यकता नहीं पड़ेगी। मानवता का गणतंत्र न भय पर टिका है, न किसी प्रलोभन पर, बल्कि उस स्वतंत्र सोच और सजग उपस्थिति पर टिका है, जो समय की आंखों में आंखें डालकर प्रश्न कर सके। क्योंकि जीवन भूलों में रहकर ही अपने लिए बेहतर चुनना सीखता है, और यही प्रक्रिया मनुष्य को मनुष्य बनाए रखती है। पर जिस गति से मशीन, मानवीय समय को स्थिर करती हुई मानकीकृत शक्ति को भस्मासुर की तरह बढ़ा रही है, वहां सबसे बड़ी चुनौती यही है कि मनुष्य अपनी अनुभूति, धीमी गति और चूक की संभावना को बचाए रखे। ऐसे समय में स्त्री को किसी एक पक्ष में नहीं, बल्कि संतुलन साधने के उपाय खोजने होंगे, ताकि तकनीकी साधन बनी रहे, निर्णायक न बने, और जीवन अपनी स्वाभाविक लय में बहता रहे। यही उसका गणतंत्र है, अघोषित, पर हर दिन जिया जाने वाला, निरंतर।

स्त्री के लिए चेतना की एक संरचना है गणतंत्र

आज की जागरूक स्त्री के लिए गणतंत्र केवल कोई राजनीतिक व्यवस्था नहीं है, बल्कि चेतना की एक संरचना है। एक ऐसा आंतरिक संविधान, जो शोर में नहीं, आत्मसंवाद में रचा जाता है। यह वह गणतंत्र है, जहां सुविधा से पहले विवेक की बात की जाती है। गति से पहले ठहराव आता है और उत्तर से पहले प्रश्न पूछे जाते हैं। क्योंकि प्रश्न पूछना ही मनुष्य की अंतिम आजादी है। स्त्री जानती है कि तकनीक को न तो पूरी तरह नकारा जा सकता है, न आंख मूंदकर अपनाया जा सकता है। इसलिए वह गणतंत्र की गरिमा संसद के शोर में नहीं, अपने घर की चुप्पी में बचाने का संकल्प लेती है। घर जहां वह हर दिन, अनजाने ही, अपना संविधान लिखती है। इस संविधान में सबसे पहले अनुभव का अधिकार सुरक्षित होता है। हर समस्या का त्वरित समाधान नहीं दिया जाता। बच्चे को सोचने दिया जाता है, उलझने दिया जाता है, गिरने और उठने का अवसर दिया जाता है, क्योंकि जीवन उत्तरों से नहीं, प्रक्रिया और प्रतिक्रिया से बड़ा होता है। यहां प्रश्न पूछना अपराध नहीं होता। यहां असहमति अवज्ञा नहीं कहलाती। मशीन से उत्तर लेने से पहले मनुष्य से संवाद किया जाता है। शब्दों के बीच की खामोशी को भी सुना जाता है, समझा जाता है। यहां तकनीक साधन होती है, निर्णायक नहीं। चैटजीपीटी सहायक है, जीवनचर्या का विकल्प नहीं।

नेतृत्वशील बनकर मजबूत करें देश का गणतंत्र

अगर आपके भीतर नेतृत्व के गुण हैं तो आप सशक्त होकर देश के गणतंत्र को भी मजबूत करने में अपना योगदान दे सकती हैं। नेतृत्वशील कैसे बनें, जानिए-

भूमिका

नलिन खोईवाल

आप किसी भी क्षेत्र में हों, आपके भीतर नेतृत्व क्षमता यानी लीडरशिप की क्वालिटी है तो आप न सिर्फ तरक्की पाएंगी, सशक्तिकरण की राह पर भी आएंगी। इस तरह महिलाएं सशक्त बनकर, अपने दायित्वों का सही ढंग से निर्वाह करके देश के विकास में अपना योगदान देकर, देश का गणतंत्र मजबूत कर सकती हैं। आप भी नेतृत्वशील बनिए। इसके लिए आपके भीतर कुछ खूबियों का होना जरूरी है, ये कौन-सी हैं, जानिए-

त्वरित निर्णय लेने की क्षमताः अच्छा नेतृत्व वही कर सकता है, जो अच्छा प्रबंधक हो। अच्छा प्रबंधक बनने के लिए त्वरित निर्णय लेने की क्षमता होनी चाहिए। साथ ही कोई बात सही है या नहीं, योजना उचित है या नहीं, निर्णय न्यायसंगत है या नहीं, इसके लिए स्वविवेक से निर्णय लेने की भी क्षमता होना बहुत जरूरी है।

दृढ़ इच्छाशक्ति और सेवाभावीः कुशल नेतृत्व वही कर सकता है, जिसके भीतर दृढ़ इच्छाशक्ति और पक्का इरादा हो। आप जो भी निर्णय लें दृढ़ इच्छाशक्ति और आत्मविश्वास के साथ लें। साथ ही आपका व्यक्तित्व सेवाभावी और दूसरों के प्रति सहानुभूति रखने वाला भी होना चाहिए।

चेहरा हो मुस्कान भराः एक हंसता-मुस्कराता चेहरा, सौ मर्ज की दवा है। एक मधुर मुस्कान भारी से भारी थकान को चुटकी में दूर कर देती है। सफल प्रबंधन के लिए जरूरी है कि आप स्वभाव से हंसमुख भी हों।

ईमानदार, सामर्थ्यवान और बुद्धिमान बनेंः आप जिस भी संस्थान में काम कर रही हों, वहां पूरी लगन, निष्ठा और ईमानदारी से कार्य करें। काम कितना ही बड़ा और जटिल क्यों न हो, आपके भीतर उसे पूरे आत्मविश्वास के साथ करने की सामर्थ्य होनी चाहिए।

सोच हो सकारात्मकः आप जहां भी अपनी सेवाएं दें, नकारात्मक विचारों को त्यागकर सकारात्मक सोच के साथ अपनी सेवाएं दें। जैसी दृष्टि होगी, वैसी ही सृष्टि होगी। कर्म में विश्वास करें और औरों को भी इसके लिए प्रेरित करें।

समय प्रबंधन हो कुशलः नेतृत्व में कुशल महिलाएं हमेशा समय का उचित प्रबंधन करके चलती हैं, क्योंकि कम समय में बहुत सारे काम करने होते हैं। समय के साथ चलें और समय की कीमत को पहचान कर आगे बढ़ें। सफलता के लिए जरूरी है कि कार्य की प्राथमिकता तय कर कार्यों का निष्पादन करें।

बनें परिवर्तनशील और बढ़ावा दें नवचारिता कोः परिवर्तन संसार का नियम है, परिस्थितियों के अनुसार प्रतिष्ठान की कार्यशैली में बदलाव करती रहें। नए-नए प्रयोग कर नवचारिता को बढ़ावा दें। इससे संस्थान में स्वस्थ वातावरण बनेगा, सबकी कार्यक्षमता बढ़ेगी।

हो समर्पण और टीम भावनाः आप काम के प्रति पूरी तरह समर्पित रहें और जरूरत पड़ने पर त्याग करने के लिए तत्पर रहें। सभी को साथ लेकर चलें, टीम भावना का विकास करें, क्योंकि संगठन में ही शक्ति है।

व्यक्तित्व हो सरल-सादगीपूर्णः आपका व्यक्तित्व ऐसा सरल और सादगीपूर्ण होना चाहिए कि दूसरों पर एक अच्छा प्रभाव छोड़े और आप लोगों के लिए एक मिसाल बनें। दिखावे की जिंदगी न जिएं। सादा जीवन-उच्च विचार को महत्व दें।

व्यवहार हो मृदुः एक टीम लीडर के रूप में आपका प्रयास यही हो कि कार्यालय में सौहार्दपूर्ण वातावरण रहे, इससे लोग अनावश्यक तनाव से बचे रहेंगे। आप भी निश्चिंत होकर अपने कार्य का निर्वहन अच्छे से कर पाएंगी।

यहां बताई गई इन बातों को ध्यान में रखेंगी तो सफलताएं आपकी कदम चूमेंगी। देश के विकास में आपकी अहम भूमिका होगी।

वसंत ऋतु में निहित भावबोध को समझें तो यह हमारे भीतर की एक अनुभूति भी है, जीवन जीने की एक कला है। आज की स्त्रियां इस जीवन कला को पूरे मन से अपना रही हैं, अपने संग अपनों के जीवन को वासंती रंगों से संवार रही हैं।

वसंत को जीवनपर्यंत जीती हैं स्त्रियां

जीवनशैली

सरस्वती रमेश

वसंत ऋतु परिवर्तन, सृजन, ज्ञान और नवजीवन का द्योतक है। माघ मास के शुक्ल पक्ष की पंचमी को मनाया जाने वाला वसंत पंचमी, शीत ऋतु के अंत और वसंत ऋतु के आगमन का संदेश लेकर आता है। एक तरह से यह प्रकृति की ऊष्मा को जीवन में उतारने का संदेश लेकर भी आता है। इस संदेश को अपनाने में महिलाएं सबसे आगे होती हैं। वसंत और महिलाओं की प्रकृति का यह साम्य आजीवन बना रहता है।

घर में बिखेरती हैं वसंत की सुगंधः एक स्त्री के जीवन का वसंत ठीक वैसा ही होता है, जैसा प्रकृति के बाहरी स्वरूप में दिखाई पड़ता है। जिस तरह प्रकृति अपने भीतर के साज, कोमलता, रंग, गंध और जीवन को वसंत के माध्यम से अभिव्यक्त करती है, ठीक वैसे ही एक स्त्री प्रकृति के इन विशेषणों को अपने जीवन और आचरण में धारण कर अपने घर-परिवार में बारहों महीने वसंत होने का अहसास भरती है। कोयल के कूकने में, आम्र मंजरियों की सुगंध में, सरसों के पीले फूलों को देखने में जो आनंद की अनुभूति होती है, कुछ-कुछ वैसी ही अनुभूति एक स्त्री सुबह-सुबह चाय की प्याली में भर कर घर भर में बिखेर देती है। उसके पकाने-खिलाने, सजाने-संवारने, पालने-पोसने से जुड़ी हर क्रिया में वसंत का ही राग और रंग निहित होता है। परिवार के हर सदस्य की जरूरत का ख्याल रखकर उनके जीवन में खुशी और संतुष्टि के फूल घर की स्त्री ही खिलाती है। स्त्री के परिश्रम और समर्पण से ही उसके घर के कोने-कोने में वसंत हर समय मुस्कुराता है।

अपनों के जीवन में घोलती हैं रंगः स्त्रियों के जीवन का वसंत कोमल या संकुचित नहीं जीवंत, कर्मठ और विस्तृत होता है। आज की स्त्री अपने जीवन में वसंत लाने के साथ ही अपने पूरे परिवार के सपनों में रंग भी भरती है। वसंत का अर्थ भी यही है। हर ओर फूल, हर ओर हरियाली, हर ओर खुशहाली। उसका मानना है कि जब तक परिवार का प्रत्येक सदस्य अपने जीवन में संतुष्टि, कामयाबी, प्रेम, अपनत्व और प्रसन्नता का वसंत नहीं महसूस करेगा, तब तक उसके जीवन में आया वसंत एकाकी और उल्लासहीन रहेगा। उसमें उल्लास तभी शामिल होगा, जब उसके अपनों के मन के तार भी एक साथ झंकृत हों। इसीलिए आज की स्त्रियों ने घर-परिवार और बाहरी संसार के बीच कुछ इस तरह संतुलन बनाना सीख लिया है कि हर ओर वसंत मुस्कुरा उठे।

पराए को बना लेती हैं अपनाः स्त्री के जीवन में वसंत जीवन भर उसके संग-संग सहचर बना रहता है। बचपन के दिनों में बाबुल के आंगन में उनकी चहचहाहट, किशोरवय की उनकी खिलखिलाहट वसंत के फूलों की तरह घर-आंगन में झरती रहती है। बेटियों के लिए उनके मां-बाप का दुलार-प्यार उनके जीवन के वसंत का सबसे मोहक पक्ष होता है। बहू के रूप में सास-ससुर, ननद, जेठ-जेठानी और देवर को सम्मान और स्नेह के सुगंध से अपना बना लेती हैं। पत्नी के रूप में अपने पति के जीवन का तो वसंत ही बन जाती हैं। ऐसी खिलती और महमहाती हैं कि पराया घर, पराए लोग कब अपने बन जाते हैं, पता ही नहीं चलता।

लुटाती हैं वसंत की ऊष्माः स्त्रियां घर-परिवार में मनाए जाने वाले पर्व-त्योहारों में नए रंग भर देती हैं। रिश्तों में मायूसी की सारी बर्फ, ठिठुरन, ठहराव की शीत पर वसंत की ऊष्मा छिड़कते हुए हर ओर अपनेपन और प्यार के फूल खिलाती हैं, जीना सिखाती हैं।

स्किन केयर

शहनाज हुसैन, कॉस्मेटोलॉजिस्ट

स्किन को यंग बनाएगा केले का छिलका

हम अकसर केला खाने के बाद उसका छिलका डस्टबिन में फेंक देते हैं। लेकिन क्या आपको पता है कि केले का छिलका आपकी खूबसूरती में चार चांद लगा सकता है? केले का छिलका एंटीऑक्सीडेंट्स, विटामिन बी-6, विटामिन-सी, पोटेशियम और मिनरल्स से भरपूर होता है, जो कि आपकी त्वचा और बालों के लिए बेहद फायदेमंद हो सकता है। विटामिन त्वचा को पोषण देते हैं और चमक बढ़ाते हैं। पोटेशियम त्वचा को हाइड्रेट करने में मदद करता है जबकि एंटीऑक्सीडेंट्स त्वचा को धूप और प्रदूषण से होने वाले नुकसान से बचाते हैं।

फेस मास्कः यह फेस मास्क बनाने के लिए केले के छिलके को छोटे-छोटे टुकड़ों में काटकर इन्हें मिक्सी में पीसकर मुलायम पेस्ट बना लें। इस पेस्ट में आधा चम्मच चावल का आटा और आधा चम्मच चीनी मिलाएं। इन तीन चीजों को अच्छी तरह मिक्स करें। इस तरह आपका नेचुरल फेस मास्क तैयार हो जाएगा। इस फेस मास्क को अप्लाई करने से पहले अपने चेहरे को साफ पानी से जरूर धो लें ताकि त्वचा पर जमी मैल और गंदगी हट जाए अन्यथा इसके पॉजिटिव रिजल्ट नहीं आएंगे। इसके बाद इस फेस मास्क को त्वचा पर समान रूप से लगाएं और प्राकृतिक तौर पर सूखने दें। जब मास्क सूख जाए तो ठंडे पानी से चेहरा धो लें। इस मास्क को रोजाना एक बार लगाने से आपकी त्वचा मुलायम, साफ और चमकदार बनेगी। आप चाहें तो यह पेस्ट ज्यादा मात्रा में बनाकर एयर टाइट कंटेनर में भी रख सकती हैं और जरूरत के अनुसार इसका उपयोग कर सकती हैं।

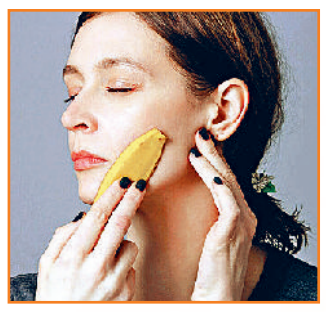

फाइन लाइंस के लिएः अगर आपके चेहरे पर समय से पहले फाइन लाइंस आनी शुरू हो गई है या दाग-धब्बों से परेशान हैं। तो भी केले का छिलका मददगार हो सकता है। इसके लिए पके हुए केले का छिलका लेकर अंदर वाले हिस्से से चेहरे पर धीरे-धीरे मसाज करें। खासकर दाग-धब्बों या पिंपल्स वाली जगह पर। इसके बाद आधे घंटे तक छोड़ दें और फिर गुनगुने पानी से चेहरा धो लें।

रिंकल्सफ्री स्किन के लिएः केले के छिलके के अंदर वाले हिस्से को चेहरे पर कुछ मिनट के लिए रगड़ें, फिर गुलाब जल लगाएं। इसके बाद 25 मिनट के बाद चेहरा धो लें। बेहतर परिणामों के लिए इसका नियमित इस्तेमाल करें।

स्किन टोनिंग के लिएः केले के छिलके को मैश करके इसमें दही मिलाकर स्मूद पेस्ट बना लें। इस पेस्ट को चेहरे पर लगाने के बाद आधे घंटे के लिए छोड़ दें फिर ताजे ठंडे पानी से धो डालें। इसके नियमित उपयोग से कील-मुंहासों को चेक करने में भी मदद मिलेगी।

डार्क सर्कल के लिएः आंखों के नीचे के काले घेरे दूर करने में भी केले का छिलका असरदार साबित होता है। इसके लिए आपको सबसे पहले केले के अंदर का सारा रेशा निकालना होगा। इसमें एक चम्मच एलोवेरा जैल मिलाकर आंखों के आस-पास 15-20 मिनट लगाएं और बाद में ताजे पानी से धो डालें। इसके रोजाना उपयोग से आंखों के नीचे की रंगत में असर दिखाई देगा।

नई सोच

चैतन्या

इस बार वसंत ऋतु में सरस्वती पूजन का पर्व और राष्ट्रीय बालिका दिवस (24 जनवरी) का संयोग, अपने में कई संदेश लेकर आया है। संदेश यह कि हमारे प्रोत्साहन से बेटियां अपना उज्ज्वल भविष्य बना सकती हैं।

हमारी बेटियां बनें विवेकशील-सशक्त

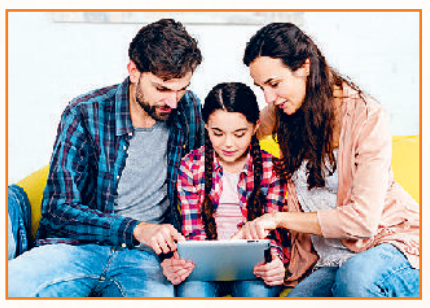

वसंत, नव सृजन और उल्लास की रुत है। यह मौसम हर ओर खिले रंग-बिरंगे फूलों और भंवरों की गुंजन के बीच नई ऊर्जा संग जीवन से जुड़ जाने का उल्लास साथ लाता है। मां शारदा की उपासना का उत्सव, वसंत पंचमी भी सर्दी के कुहासे से निकलकर प्रकृति की रौनक से मिलने का पर्व है। ज्ञान, संगीत और कला की देवी वीणावादिनी के अर्चन का पर्व मन से रचनात्मक और जीवन को उल्लासित दृष्टि से देखने वाली बेटियों के लिए भी बहुत अहम होता है। हमारे परिवारों में समय के साथ आए बदलावों ने इस पर्व को और सार्थक बना दिया है। बेटियों की शिक्षा, आत्मविश्वास और रचनात्मकता के प्रति बदली सोच वसंत पंचमी के उत्सव से जुड़े सुंदर-स्नेह भरे रंगों से मिलवाती है। जिसमें देवी की आराधना के साथ ही बेटी की अनुभूतियों को समझने का भाव भी जुड़ गया है।

लाडलियों के ज्ञान का मानः बेटियां हमेशा से ही घर-आंगन की रौनक मानी जाती हैं। उनकी खिलखिलाहट के बिना हर उत्सव अधूरा लगता है। बेटियों की खुशी और उल्लास अपनों के जीवन में वासंती रंग भर देते हैं। नृत्य-संगीत जैसे रचनात्मक क्षेत्रों में बेटियों की खूब रुचि रहती है। एक समय था, जब उनके अस्तित्व को घर के बाहर की दुनिया से जोड़कर नहीं देखा जाता था। कलात्मक क्षेत्रों में उनके रुझान को गंभीरता से नहीं लिया जाता था, लेकिन अब बेटियां अपनी कला, बुद्धि और विवेक से हर ओर छाई हुई हैं। परिवार से लेकर समाज और देश के आंगन तक, बेटियों की मौजूदगी दिखती है। उनकी भागीदारी ही नहीं ज्ञान का भी मान होने लगा है। लाडलियों की रचनात्मकता पर अब उनके अपने गर्व करते हैं। ऐसे में ज्ञान, कला और संगीत की देवी के पूजन का पर्व और प्रासंगिक लगता है। वैसे भी वसंत पंचमी का त्योहार पौराणिक और धार्मिक महत्व का ही नहीं सृजनात्मक कार्यों की नई शुरुआत के लिए भी बहुत खास होता है। इस दिन बेटियां भी माता सरस्वती से अपनी प्रतिभा निखारने का आशीर्वाद मांगती हैं।

सशक्त बनाता स्नेहः हमारे घरों में अब बेटियों को देश की शिक्षित-सजग नागरिक बनाने वाला स्नेही भाव साफ दिखता है। यह बदलाव हर बालिका को सही मायने में सशक्त बनाने वाला है। कहते हैं कि अज्ञान का अंधकार दूर होने से ही जिंदगी में सुनहरा सवेरा होता है। मां सरस्वती की उपासना का यह पर्व भी मन को चेतनामयी बनाने का ही तो उत्सव है। देखने में आ रहा है कि अब बिटिया के जज्बाती भावों को नहीं, जागरूक सोच को भी जरूरी माना जाने लगा है। अपनी लाडलियों को प्रभावी व्यक्तित्व की धनी बनाने पर जोर दिया जाता है। जिसके चलते ज्ञान की अधिष्ठात्री देवी माता शारदा की उपासना की रीत वाले हमारे परिवेश में बेटियां भी अपनी बुद्धि और समझ के बल पर नित नए आसमान छू रही हैं। हर दिन अपनी जिजीविषा और प्रतिबद्धता के बल पर कुछ कर गुजरने के उदाहरण सामने आते रहते हैं।

भविष्य की बुनियादः असल में वसंत की दस्तक को सार्थक विचारों का आगमन भी माना जाता है। बेटियों के प्रति बर्ताव में आया अर्थपूर्ण बदलाव, परिवार ही नहीं, पूरे समाज के भविष्य की बुनियाद बनाने की भी शुरुआत है। घर-परिवार में लाडलियों के प्रति लगाव का भाव उनके स्वतंत्र अस्तित्व और आकांक्षाओं की स्वीकार्यता के सुखद पहलू लिए है।

खबर संक्षेप

ब्यूटी एंड वैलनेस पर वर्कशॉप का शुभारंभ

सोनीपत। राजकीय महिला कालेज सोनीपत में सोमवार से "ब्यूटी एंड वैलनेस" विषय पर एक साप्ताहिक वर्कशॉप का शुभारंभ किया गया। वर्कशॉप का उद्देश्य छात्राओं को ब्यूटी, स्किन केयर, हेयर केयर, मेकअप, फिटनेस तथा वेलनेस से संबंधित व्यावहारिक एवं रोजगारोन्मुखी प्रशिक्षण प्रदान करना है, ताकि वे आत्मनिर्भर बन सकें और स्वरोज़गार की ओर प्रेरित हों। कार्यशाला के उद्घाटन अवसर पर महाविद्यालय प्राचार्य डॉ. नरेश कुमार ने छात्राओं को संबोधित करते कहा कि ऐसी कार्यशालाएं छात्राओं के व्यक्तित्व विकास के साथ-साथ उनके करियर निर्माण में भी सहायक सिद्ध होती हैं। प्रथम दिवस छात्राओं ने ब्लीच और वैक्स की तकनीक से संबंधित जानकारी प्राप्त की।

सरकार से युवा वर्ग पूरी तरह नाराज : जोगेंद्र

गोहाना। इनेलो द्वारा युवाओं को अधिक से अधिक पार्टी से जोड़ने के उद्देश्य से प्रत्येक जिले में युवा जिला स्तरीय सम्मेलन आयोजित किए जा रहे हैं। इसी को लेकर गांव रामगढ़ में बरोदा हल्का के प्रमुख नेताओं की बैठक हुई, जिसमें 22 जनवरी को सोनीपत में होने वाले युवा सम्मेलन की तैयारी को लेकर रणनीति बनाई गई। सम्मेलन को लेकर युवा कार्यकर्ताओं की जिम्मेदारी लगाई गई। इनेलो के प्रदेश सचिव जोगेंद्र मलिक ने कहा कि वर्तमान भाजपा सरकार से युवा वर्ग पूरी तरह नाराज है। सरकार के पास न रोजगार की अच्छी नीति है और न ही ठोस खेल नीति और शिक्षा नीति है। प्रदेश में बेरोजगारी व अपराध बढ़ता जा रहा है।

अमावस्या पर महीनावर कीर्तन दरबार सजाया

सोनीपत। सेक्टर 15 स्थित गुरुद्वारा गुरु तेग बहादुर साहब में अमावस्या के पावन अवसर पर महीनावर कीर्तन दरबार सजाया गया। इस धार्मिक कार्यक्रम में लुधियाना से आए बलप्रीत सिंह गुरु ने कीर्तन के माध्यम से संगत को अमृतमयी गुरबाणी का श्रवण कराया। कीर्तन दरबार में बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने भाग लेकर आध्यात्मिक लाभ प्राप्त किया। कीर्तन के दौरान बलप्रीत सिंह गुरु ने बताया कि गुरु ग्रंथ साहब की वाणी आध्यात्मिक ज्ञान का महत्वपूर्ण स्रोत है और यह समस्त मानवता को आपसी भाईचारे, समानता तथा सभी धर्मों के प्रति सम्मान का संदेश देती है। कहा कि गुरबाणी मन को शांति प्रदान करने के साथ जीवन को सही दिशा दिखाने का कार्य करती है।

समस्याओं का त्वरित व पारदर्शी समाधान करें

गोहाना। सोमवार को उपमंडलीय परिसर में आयोजित समाधान शिविर में गोहाना में आयोजित एसडीएम अंजलि श्रोत्रिय ने लोगों की शिकायतें सुनी और अधिकारियों को समस्याओं के त्वरित एवं पारदर्शी समाधान के निर्देश दिए। एसडीएम ने कहा कि समाधान शिविर समस्याओं के निराकरण में अति उपयोगी सिद्ध हो रहे हैं। शिविर में लोग अपनी समस्याओं के समाधान के लिए आते हैं। इसलिए अधिकारी लोगों की उम्मीदों पर खरे उतरते हुए समस्याओं का त्वरित एवं पारदर्शी समाधान करें। अनुसार शिविर में लोग परिवार पहचान पत्र संबंधी त्रुटियों को को दुरुस्त करवानेसहित अन्य समस्याएं लेकर पहुंच रहे हैं।

जिला सचिव विक्की को किया सम्मानित

गन्नौर। कांग्रेस का जिला सचिव बनने पर विक्की पहलवान पांची सोनीपत के पूर्व विधायक सुरेंद्र पंवार से मुलाकात की। सुरेंद्र पंवार ने विक्की पहलवान को पार्टी की तरफ से नई जिम्मेदारी मिलने पर उन्हें फूलमाला पहना कर सम्मान किया। सुरेंद्र पंवार ने भरोसा जताया कि पार्टी की तरफ से मिली जिम्मेदारी को विक्की पहलवान पूरी ईमानदारी, निष्ठा और सक्रियता के साथ निभाएंगे। विक्की ने भी भरोसा दिया कि वह संगठन के लिए काम करेंगे।

एलपीयू फगवाड़ा में नॉर्थ ईस्ट जोन इंटर यूनिवर्सिटी चैंपियनशिप

जूडो चैंपियनशिप में साउथ पॉइंट की बेटियों का रहा दमदार प्रदर्शन

विभिन्न यूनिवर्सिटी से खिलाड़ियों ने भाग लेकर प्रतिभा दिखाई

हरिभूमि न्यूज ▶▶| सोनीपत

सोनीपत। ऑल इंडिया इंटर यूनिवर्सिटी जूडो चैंपियनशिप में चयनित साउथ पॉइंट कॉलेज ऑफ एजुकेशन की खिलाड़ी।

नॉर्थ ईस्ट जोन इंटर यूनिवर्सिटी जूडो मैन एंड वूमेन चैंपियनशिप 2025-26 में साउथ पॉइंट कॉलेज ऑफ एजुकेशन की खिलाड़ियों ने उत्कृष्ट प्रदर्शन कर कॉलेज का नाम रोशन किया। यह चैंपियनशिप पंजाब के फगवाड़ा स्थित लवली प्रोफेशनल यूनिवर्सिटी में 15 से 18 जनवरी तक आयोजित की गई थी, जिसमें विभिन्न यूनिवर्सिटी से खिलाड़ियों ने भाग लेकर अपनी प्रतिभा दिखाई। साउथ पॉइंट ग्रुप ऑफ इंस्टीट्यूशंस के चेयरमैन दिलबाग सिंह खत्री ने बताया कि कॉलेज की बीपीएड फर्स्ट सेमेस्टर की रिचा ने 70 किलोग्राम भारवर्ग और थर्ड सेमेस्टर की प्रिया ने 48 किलोग्राम भारवर्ग में प्रभावशाली खेल दिखाया। उनके इस प्रदर्शन के दम पर दोनों का चयन ऑल इंडिया इंटर यूनिवर्सिटी जूडो चैंपियनशिप के लिए हुआ है। एक्जीक्यूटिव चेयरमैन रोहित खत्री ने कहा कि रिचा और प्रिया की मेहनत प्रेरणादायक है। वाइस चेयरपर्सन वर्तिका खत्री ने कहा कि बेटियों की यह सफलता आने वाली पीढ़ी के लिए प्रेरणा है। सीईओ भावना कालरा ने कहा कि शैक्षणिक उत्कृष्टता के साथ खेलों में संतुलन हमारी प्राथमिकता है। कार्यकारी अधिकारी डॉ. ममता सचदेवा ने कहा कि हमें उम्मीद है कि हमारी खिलाड़ी ऑल इंडिया यूनिवर्सिटी चैंपियनशिप में भी बेहतर प्रदर्शन करेंगी।

जिला स्तरीय हैंडबॉल प्रतियोगिता में शहीद भगत सिंह स्कूल द्वितीय रहा

सोनीपत। रतनगढ़ माजरा स्थित सर छोटू राम मॉडर्न सीनियर सेकेंडरी स्कूल में प्रथम स्वर्गीय ईश्वर सिंह दहिया मेमोरियल जिला स्तरीय हैंडबॉल प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। प्रतियोगिता में भाजपा प्रदेश अध्यक्ष मोहनलाल बड़ोली के पुत्र वीरेंद्र कौशिक मुख्य अतिथि के रूप में पधारे। नागरिक अस्पताल से डॉ. राहुल अंतिल और पहलवान भोला कड़ोली विशिष्ट अतिथि के रूप में पहुंचें। प्रतियोगिता में छोटू राम स्कूल की टीम ने प्रथम स्थान पर रहते हुए गोल्ड मेडल और 5100 नगद पुरस्कार पर कब्जा किया। टीम में कृष्ण, वंश, दीपांशु, मिलन, लक्ष्य, अक्षय आदि खिलाड़ियों ने हिस्सा लिया। शहीद भगत सिंह स्कूल सरगथल की टीम दूसरे स्थान व ब्राइट स्कॉलर एकेडमी तिहाड़ मलिक की टीम तीसरे स्थान पर रही। प्रतियोगिता के दौरान आयोजित सम्मान समारोह में आल इंडिया यूनिवर्सिटी स्तर की गोल्ड मेडलिस्ट तनीषा तथा नेपाल में आयोजित अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिता में भारत का प्रतिनिधित्व कर चुकी खिलाड़ी वंदना एवं तनु को उनके उत्कृष्ट खेल प्रदर्शन के लिए सम्मानित किया गया। छोटू राम स्कूल की टीम के खिलाड़ी कृष्ण को बेस्ट प्लेयर घोषित किया गया और उन्हें 1100 नगद व ट्रॉफी से सम्मानित किया गया।

सोनीपत। आम आदमी पार्टी की सभा में उपस्थित लोग।

चुनाव विकास-ईमानदारी के मुद्दे पर लड़ा जाएगा: रणबीर

हरिभूमि न्यूज ▶▶| सोनीपत

आम आदमी पार्टी (आप) ने सोनीपत नगर निगम चुनाव के लिए बिगुल फूंक दिया है। आज वार्ड नंबर-15 में आशीर्वाद जनसभा के माध्यम से पार्टी ने स्पष्ट कर दिया कि आगामी चुनाव विकास और ईमानदारी के मुद्दे पर लड़ा जाएगा। इस जनसभा का नेतृत्व जिला अध्यक्ष रणबीर छिक्कारा और प्रत्याशी चयन समिति के संयोजक विमल किशोर ने किया। भाजपा-कांग्रेस पर तीखा प्रहार जनसभा को संबोधित करते जिला अध्यक्ष रणवीर छिक्कारा ने भारतीय जनता पार्टी और कांग्रेस पर जमकर निशाना साधा। कहा कि सोनीपत की जनता पिछले कई वर्षों से इन दोनों दलों की नूरा-कुश्ती का शिकार हो रही है। इस दौरान आम आदमी पार्टी ने नगर निगम से भ्रष्टाचार का खात्मा: फाइलों को लटकाने की संस्कृति को खत्म कर पारदर्शी शासन लाना, बुनियादी ढांचा: शहर की टूटी सड़कों और बदहाल ड्रेनेज सिस्टम का स्थाई समाधान, स्वच्छ सोनीपत: कूड़े के ढेर और गंदगी से शहर को मुक्ति दिलाना आदि का आश्वासन दिया। इस अवसर पर सतबीर सिंह 'सती', जिला सचिव विकास दहिया, जिला उपाध्यक्ष नरेश कौशिक, लोकसभा सचिव राजेश सरोहा एडवोकेट, अल्पसंख्यक शैल के जिलाध्यक्ष शेर मोहम्मद, ओबीसी सेल के जिलाध्यक्ष सिद्धार्थ रोहिल्ला, युवा के जिलाध्यक्ष अंकुश त्यागी, सोनीपत शहर विधानसभा अध्यक्ष योगेशपाल, पूर्व प्रत्याशी सरोजवाला राठी, सौरभ पाहुजा, दीक्षित, राजकुमार आदि मौजूद रहे।

मेधावी छात्रों को सौंपी साइकिल

- स्कालरशिप टेस्ट में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले पुरस्कृत

हरिभूमि न्यूज ▶▶| गन्नौर

गन्नौर। स्कालरशिप टेस्ट के मेधावी छात्रों को सम्मानित करते विधायक देवेंद्र कादियान।

देवा सोशल डेवलपमेंट सोसायटी के कार्यालय पर सोमवार को सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। इसमें देवा अकादमी द्वारा आयोजित स्कालरशिप टेस्ट में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले मेधावी छात्रों को पुरस्कृत किया गया। विधायक एवं एकेडमी के चेयरमैन देवेंद्र कादियान ने प्रथम स्थान प्राप्त करने वाले विद्यार्थी कुश, श्रेय, खुशी, रिया और लक्ष्य को साइकिल भेंट कर सम्मानित कर उज्जवल भविष्य की कामना की। कार्यक्रम के दौरान चिरस्मी गांव के पीटर जिम में अभ्यास करने वाले युवा बाडी बिल्डर अंकित छिक्कारा को हाल ही में मेडल जीतने पर विधायक कादियान ने सम्मानित किया। पर्यावरण प्रहरी राजपाल चिरस्मी ने भी बाडी बिल्डर को पौधा भेंट किया। विधायक कादियान ने कहा कि साल 2018 में देवा एकेडमी की शुरूआत की गई थी। अब तक आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग के करीब 10 हजार बच्चों को मुफ्त शिक्षा दी जा चुकी है। इनमें से लगभग 1200 छात्र विभिन्न प्रतियोगी परीक्षाएं पास कर अलग-अलग सरकारी विभागों में सेवाएं दे रहे है। इस अवसर पर देवा एकेडमी निदेशक रोहित कुमार, पीटर त्यागी, प्रवीन कुमार आदि मौजूद रहे। विधायक देवेंद्र कादियान ने जनता दरबार लगा लोगों की समस्याएं भी सुनी। शिविर में आई 80 शिकायतों में से 65 का मौके पर ही समाधान कराया है।

सहायक प्राध्यापकों की भर्ती प्रक्रिया के मानकों पर आपत्ति

गोहाना। जन संघर्ष मंच हरियाणा की गोहाना इकाई ने हरियाणा लोक सेवा आयोग (एचपीएससी) द्वारा सहायक प्राध्यापकों की भर्ती प्रक्रिया में अपनाए गए मानकों पर एतराज जताया और एसडीएम को राज्यपाल को संबोधित ज्ञापन सौंपा। मंच के पदाधिकारियों ने आरोप लगाया कि योग्य और प्रतिभाशाली अभ्यर्थी उपलब्ध के बावजूद एचपीएससी ने विभिन्न विषयों में बहुत कम उम्मीदवारों का चयन किया है, जिससे पद खाली रह गए। डा. सुनीता और रघुबीर विरोधिया ने कहा कि अंग्रेजी विषय के 613 विज्ञापित पदों के परिणाम में 151 अभ्यर्थियों को ही शार्टलिस्ट किया गया, जो कुल पदों का 25 फीसद से भी कम है। भर्ती न होने से असंतुष्ट उम्मीदवार मांगों को लेकर पंचकुला में धरने पर बैठे हैं। आरक्षित वर्गों के पदों पर 5 फीसद भर्तियां की गई हैं।

जीवन को आसान, सुरक्षित व अधिक प्रभावी बनाने का सशक्त माध्यम एआई : गीता चोपड़ा

ज्ञान गंगा ग्लोबल स्कूल में कार्यक्रम का आयोजन

हरिभूमि न्यूज ▶▶| सोनीपत

सोनीपत। ज्ञान गंगा ग्लोबल स्कूल में इन हाउस ट्रेनिंग प्रोग्राम के दौरान प्राचार्या गीता चोपड़ा, उप प्राचार्या रूना दास और सीबीएसई रिसोर्स पर्सन अमित दहिया के साथ प्रतिभागी टीचर। फोटो :हरिभूमि

ज्ञान गंगा ग्लोबल स्कूल (जी-3) में सीबीएसई के सौजन्य से 'यूज ऑफ आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस इन लाइफ' विषय पर इन हाउस ट्रेनिंग प्रोग्राम का आयोजन किया गया ,जिसमें विद्यालय के 54 शिक्षकों ने उत्साहपूर्वक हिस्सा लिया। प्राचार्या गीता चोपड़ा व उप प्राचार्या रूना दास ने सीबीएसई के रिसोर्स पर्सन अमित दहिया के साथ दीप प्रज्ज्वलित कर इन हाउस ट्रेनिंग प्रोग्राम का शुभारंभ किया। गीता चोपड़ा ने कहा कि आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (कृत्रिम बुद्धिमत्ता) केवल एक तकनीक नहीं, बल्कि मानव जीवन को आसान, सुरक्षित और अधिक प्रभावी बनाने का एक सशक्त माध्यम है। सीबीएसई के रिसोर्स पर्सन अमित दहिया ने दैनिक जीवन में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस के उपयोग व इसके प्रयोग करने के तौर तरीकों से शिक्षकों को अवगत कराया। इस अवसर पर कोऑर्डिनेटर नीरजा, महक व गीता राणा, निशा, रितु सिंह, श्वेता, नमिता, मधु, ज्योति, सोनिया मदान, निशा, सीमा रानी, रेखा, पारुल, कावेरी, मीनू, अर्चना, सुषमा, आहुति, स्वाति, सरिता, मनीष आदि मौजूद रहे।

राष्ट्रीय युवा दिवस के उपलक्ष्य में आयोजन

पोस्टर मेकिंग प्रतियोगिता में तनु अव्वल, लुभांशी द्वितीय

खरखौदा। कन्या महाविद्यालय खरखौदा के युवा रेड क्रॉस क्लब और रेड रिबन क्लब द्वारा क्लब प्रभारी डॉ. सारिका के नेतृत्व में तथा डॉ शालिनी, सुमन और एकता के सहयोग से राष्ट्रीय युवा दिवस के उपलक्ष्य में कालेज इंचार्ज डॉ. दर्शना की अध्यक्षता में एचआईवी एड्स के प्रति जागरूकता बढ़ाने के उद्देश्य से पोस्टर बनाओ प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। छात्राओं द्वारा तैयार किए गए पोस्टर्स ने एचआईवी मुक्त समाज की दिशा में सकारात्मक वातावरण बनाया। कार्यक्रम में छात्राओं ने न केवल सृजनशीलता को बढ़ावा दिया, बल्कि सामाजिक उत्तरदायित्व की भावना को भी सुदृढ़ किया। प्रतियोगिता में तनु ने प्रथम, लुभांशी ने द्वितीय व वर्षा ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। छात्राओं द्वारा एचआईवी एड्स के विरुद्ध एक जागरूकता रैली निकाली गई। यह कार्यक्रम 12 से शुरू हुआ था और 26 जनवरी तक आयोजित किया जाएगा। इस अभियान का उद्देश्य भारतीय युवाओं को एचआईवी एड्स के बारे में जानकारी प्रदान करने के साथ-साथ स्वामी विवेकानंद के जीवन और शिक्षा को धारण करने के लिए प्रेरित करना है। विजेता छात्राओं को प्रमाण पत्र देकर सम्मानित किया गया।

शानदार प्रदर्शन के दम पर प्रताप विद्यालय के 16 खिलाड़ियों का राष्ट्रीय चैंपियनशिप के लिए चयन

हिसार में ऑल इंडिया पेंचक सिलाट चैंपियनशिप के ट्रायल

हरिभूमि न्यूज ▶▶| खरखौदा

हिसार में आयोजित ऑल इंडिया पेंचक सिलाट चैंपियनशिप के ट्रायल में प्रताप स्कूल के खिलाड़ियों ने शानदार प्रदर्शन करते हुए विद्यालय का नाम रोशन किया। इस ट्रायल में उत्कृष्ट प्रदर्शन के आधार पर प्रताप स्कूल के कुल 16 खिलाड़ियों का राष्ट्रीय चैंपियनशिप के लिए चयन किया गया। प्री-टीन वर्ग हितेश (28 किग्रा), तविश (52 किग्रा) व अमोल (54 किग्रा)प्रथम व सौरभ (34 किग्रा) द्वितीय रहे। सब-जूनियर वर्ग में आशीष (33 किग्रा), दिव्यांक (36 किग्रा), समक्ष (39 किग्रा), जितेन (54 किग्रा) कास्तिक (57 किग्रा), तनमय (51 किग्रा) प्रथम व मानविक (42 किग्रा) द्वितीय रहे।

खरखौदा। चयनित खिलाड़ियों का स्वागत करते स्कूल प्रबंधन।

खिलाड़ियों को किया स्वागत

जूनियर वर्ग में प्रतीक (71 किग्रा), हर्षित (79 किग्रा), अंश (75 किग्रा) प्रथम व तक्ष (67 किग्रा) द्वितीय रहे। सीनियर वर्ग में कुनाल राठी (50 किग्रा), सनी (75 किग्रा), गौतम (95 किग्रा), दीपांशु (65 किग्रा) प्रथम व शिवम (60 किग्रा) द्वितीय रहे। राष्ट्रीय स्तर पर चयन होने के बाद खिलाड़ियों का विद्यालय परिसर में भव्य स्वागत किया गया। इस अवसर पर द्रोणाचार्य अवॉर्डी ओम प्रकाश दहिया, संस्थापक सत प्रकाश दहिया, प्रधानाचार्या दया दहिया, एकेडमिक डायरेक्टर डॉ. सुबोध दहिया एवं कोच जगमेंद्र पंचाल ने खिलाड़ियों को शुभकामनाएं दीं।

सेपक टकरा: टीका राम कन्या महाविद्यालय ने जीता सिल्वर

सोनीपत। हाल ही में महर्षि दयानन्द महाविद्यालय द्वारा आयोजित सेपक टकरा इंटर कॉलेज टूर्नामेंट में टीकाराम कन्या महाविद्यालय की टीम ने दूसरा स्थान हासिल किया। कॉलेज पहुंचने पर प्राचार्या गीता ने छात्राओं का स्वागत किया। शारीरिक शिक्षा विभाग की अध्यापिका डा. सुमन मान ने बताया कि यह प्रतियोगिता 14-15 जनवरी को एमडीयू में आयोजित की गई थी। जिसमें टीका राम गर्ल्स कॉलेज ने जाट कॉलेज रोहतक व हिन्दू गर्ल्स कॉलेज सोनीपत को हराकर फाइनल में प्रवेश किया। जहां पर जीवीएम की टीम के सामने दूसरा स्थान हासिल किया। टीम में शामिल तीन छात्राओं पूजा, प्रिया व अंशुल का चयन यूनिवर्सिटी की टीम के लिए हुआ। इस अवसर पर टीकाराम एजुकेशन सोसायटी के प्रधान सुरेन्द्र सिंह दहिया ने खिलाड़ियों को आर्शीवाद देते हुए उनके उज्जवलभविष्य की कामना की।

ग्राम पंचायत ने एसडीएम से की शिक्षक का डेपुटेशन रद्द करवाने की मांग

गन्नौर। ग्राम पंचायत खेड़ी तगा ने गांव के राजकीय उच्च विद्यालय के जेबीटी शिक्षक अनिल कुमार का डेपुटेशन रद्द कराने की मांग को लेकर एसडीएम प्रवेश कादियान को पत्र सौंपा है। गांव के सरपंच वेदप्रकाश ने बताया कि अनिल कुमार वर्ष 2025 से लगातार डेपुटेशन पर चल रहे हैं, जबकि गांव के सरकारी स्कूल में पहले से ही अध्यापकों की भारी कमी बनी हुई है। सरपंच का आरोप है कि अनिल कुमार ने अधिकारियों से मिलीभगत कर डेपुटेशन करवा रखा है, जिससे गांव के बच्चों की पढ़ाई प्रभावित हो रही है। उन्होंने बताया कि सोमवार को जब वह स्कूल पहुंचे तो वहां मौजूद अध्यापकों ने जानकारी दी कि अनिल कुमार डेपुटेशन पर हैं। सरपंच वेद प्रकाश ने कहा कि खेड़ी तगा जैसे ग्रामीण क्षेत्र में पहले ही शैक्षणिक संसाधनों की कमी है। ऐसे में शिक्षक का लंबे समय तक डेपुटेशन पर रहना बच्चों के भविष्य के साथ खिलवाड़ है। उन्होंने प्रशासन से मांग की कि गांव के बच्चों के हित को ध्यान में रखते हुए अनिल कुमार का डेपुटेशन तुरंत प्रभाव से रद्द कर उन्हें मूल विद्यालय में तैनात किया जाए। इस संबंध में एसडीएम ने उन्हें उचित कार्रवाई का आश्वासन दिया है।

रोष-प्रदर्शन | राष्ट्रीय व्यापी हड़ताल की तैयारी, कर्मचारियों ने सौंपा ज्ञापन

आदेशों को लागू नहीं किया तो आंदोलन किया जाएगा

कच्चे कर्मचारियों को नियमित, पुरानी पेंशन आठवां वेतन आयोग-पेंशन बढ़ोतरी की मांग

हरिभूमि न्यूज ▶▶| सोनीपत

सोनीपत। डीडीपीओ को ज्ञापन सौंपते संघ के पदाधिकारी एवं सदस्यगण।

जिले में सर्व कर्मचारी संघ हरियाणा के आह्वान पर विभिन्न विभागों और संगठनों के कर्मचारियों ने उपायुक्त के माध्यम से मुख्यमंत्री हरियाणा सरकार को ज्ञापन सौंपा। यह ज्ञापन 12 फरवरी 2026 को प्रस्तावित राष्ट्रीय व्यापी हड़ताल तथा पंजाब एवं हरियाणा हाई कोर्ट के 23 और 31 दिसंबर 2025 के महत्वपूर्ण फैसलों को लागू कराने की मांग को लेकर दिया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता जिला प्रधान देशराज नैन ने की। इस अवसर पर राज्य सचिव जगमेन्दर, श्रद्धानंद सोलंकी, सीलक राम मालिक, सीआईटीयू जिला प्रधान सुनीता, अनीता, नगर पालिका जिला प्रधान राजा भाई, भारत कंडेरा, कांता, कमलेश, नरेंद्र चहल, मुकेश नेहरा, विजेंद्र दहिया, देवेंद्र दहिया, महेंद्र सिंह भनवाला, जय भगवान दहिया, करण सिंह, कृष्ण बोध, भगत सिंह, करतार, राजकुमार, जसवीर, ब्लॉक प्रधान प्रदीप नैन, सुरेश यादव, प्रतीक प्रासार, जोगिंदर सहित अनेक नेताओं ने संबोधन किया।

नेताओं ने बताया कि हाई कोर्ट ने कच्चे और अनियमित कर्मचारियों के पक्ष में ऐतिहासिक निर्णय दिए हैं। आदेशों में 1993, 1996, 2003 और 2011 की नीतियों के अंतर्गत आने वाले सभी कर्मचारियों को नियमित करने, 31 दिसंबर 2025 तक 10 वर्ष की सेवा पूरी करने वालों को भी नियमित दर्जा देने, पद सृजित करने, वेतन निर्धारण तथा 6 प्रतिशत वार्षिक ब्याज सहित एरियर भुगतान के निर्देश दिए गए हैं, जिन्हें 8 सप्ताह में लागू करना अनिवार्य है। जिला सचिव सुनील दत्त ने कहा कि संघ लंबे समय से कच्चे कर्मचारियों के नियमितीकरण, पुरानी पेंशन, एक्स ग्रैशिया नीति, आठवां वेतन आयोग और पेंशन बढ़ोतरी जैसी मांगों को लेकर संघर्ष कर रहा है। कर्मचारियों ने चेतावनी दी कि यदि सरकार ने आदेशों को लागू नहीं किया तो चरणबद्ध आंदोलन किया जाएगा, जिसकी जिम्मेदारी सरकार की होगी।

खबर संक्षेप

112 मरीजों की जांच, 24 ऑपरेशन के लिए चयनित

सोनीपत। महात्मा आशानंद वधवा हिंदू मंच एवं जिला अन्धता निवारण समिति सोनीपत के तत्वाधान में 266वां निशुल्क नेत्र जांच शिविर लक्ष्मी देवी गोसाई धर्मशाला, सिक्का कॉलोनी सोनीपत में आयोजित किया गया। शिविर की अध्यक्षता संस्था प्रधान हरि चन्द स्नेही ने की। इस अवसर पर आचार्य सुनीता अरोड़ा के ब्रह्मत्व एवं ऋषि पाल भदाना के विशिष्ट सहयोग से यज्ञ का आयोजन किया गया। नागरिक अस्पताल के नेत्र विशेषज्ञ डॉ. विकास चहल द्वारा रोगियों की आंखों की गहन जांच की गई। शिविर में कुल 112 मरीजों की ओपीडी की गई। तकनीकी सहायक महानंद द्वारा शुगर के 45 केस तथा टेक्निकल असिस्टेंट प्रवेश धनकर द्वारा रक्तचाप के 85 केस दर्ज किए गए। सभी रोगियों को आवश्यक दवाइयों का निःशुल्क वितरण भी किया गया।

आठ विद्यार्थियों का कंपनी में चयन

सोनीपत। दीनबंधु छोटू राम विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय (डीसीआरयूएसटी), मुरथल के 8 विद्यार्थियों का प्रतिष्ठित कंपनी में सफलतापूर्वक चयन हुआ है। चयनित विद्यार्थियों को इंटर्नशिप के उपरांत 6 लाख से 7.50 लाख रुपये तक का वार्षिक पैकेज प्रदान किया जाएगा, जबकि इंटर्नशिप अवधि के दौरान उन्हें 20 हजार रुपये प्रतिमाह स्टाइपेंड मिलेगा। इस उपलब्धि पर विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. श्री प्रकाश सिंह ने विद्यार्थियों को बधाई दी। चयनित विद्यार्थियों में इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग से प्रिंस, रोहित, सिद्धार्थ और सोहम मंडल, मैकेनिकल इंजीनियरिंग से हेमंत तथा केमिकल इंजीनियरिंग से योगिता, अनुज मलिक और अश्विनी शामिल हैं।

उच्च अधिकारियों से मिलकर दिलवाएंगे मंजूरी : मदान

सब्जी मंडी को स्थानांतरित करने की मांग, विधायक ने दिया आश्वासन

विधायक निखिल मदान ने मार्केट कमेटी कार्यालय में दी सोनीपत वेजिटेबल्स एंड फ्रूट्स कमीशन एजेंट एसोसिएशन व जिला व्यापार मंडल के सदस्यों के साथ की बैठक

विधायक निखिल मदान ने बताया कि सब्जी मंडी को नई अनाज मंडी के पीछे स्थानांतरण करने से शहरवासियों को ट्रैफिक जाम से निजात मिलेगी, इलाकों में सफाई व्यवस्था, सीवरेज व्यवस्था में भी सुधार होगा

हरिभूमि न्यूज ▶▶ सोनीपत

दी सोनीपत वेजिटेबल्स एंड फ्रूट्स कमीशन एजेंट एसोसिएशन ने कामी रोड स्थित पुरानी सब्जी मंडी को रोहतक रोड स्थित नई अनाज मंडी के पीछे दी गई जगह पर स्थानांतरण करने करने की मांग उठाई। एसोसिएशन के सदस्यों ने बताया कि बारिश के दौरान सब्जी मंडी सहित आसपास लगती हाउसिंग बोर्ड कॉलोनी व अन्य रिहायशी एरिया में जलभराव की समस्या बनी रहती है। इसके अलावा दिनभर जाम, सीवरेज ब्लॉक व सफाई अव्यवस्था की स्थिति बनी रहती है। ऐसे में सब्जी मंडी को नई अनाज मंडी के पीछे स्थानांतरित किया जाए। इसी मांग को लेकर एसोसिएशन व जिला व्यापार मंडल के सदस्यों ने सोमवार को मार्केट कमेटी कार्यालय में विधायक निखिल मदान के साथ बैठक की। विधायक निखिल मदान ने बताया कि सब्जी मंडी को नई अनाज मंडी के पीछे स्थानांतरण करने से शहरवासियों को ट्रैफिक जाम से निजात मिलेगी। साथ ही सब्जी मंडी के आसपास के रिहायशी इलाकों में सफाई व्यवस्था, सीवरेज व्यवस्था में भी सुधार होगा। दी सोनीपत फ्रूट एंड वेजिटेबल कमीशन एजेंट एसोसिएशन व जिला व्यापार मंडल के सदस्यों की ओर से रखी गई सभी मांगों को वह सरकार के समक्ष रखेंगे। साथ ही उन्होंने आश्वासन दिया कि दुकानदारों की सभी मांगों को पूरा करवाकर सब्जी मंडी को नई जगह स्थानांतरण करवाने के कार्य को मंजूरी दिलवाई जाएगी।

सोनीपत। मार्केट कमेटी कार्यालय में विधायक निखिल मदान को मांग पत्र देते सोनीपत वेजिटेबल्स एंड फ्रूट्स कमीशन एजेंट एसोसिएशन व जिला व्यापार मंडल के सदस्य।

ये रहे मौजूद

बैठक में विधायक निखिल मदान के अलावा मार्केट कमेटी के चेयरमैन अरुण चौहान, वाइस चेयरमैन संजय वर्मा, जिला व्यापार मंडल के प्रधान संजय सिंगला, मार्केट कमेटी सचिव जितेंद्र कुमार, एसोसिएशन के प्रधान कुलदीप सहरावत, अशोक कौशिक, इंद्र गुप्ता, मोनू, मयंक खत्री, नरेंद्र बल्हारा, राजू सैनी, अशोक व राजकुमार मौजूद रहे।

एसोसिएशन ने विधायक के समक्ष रखीं यह मांगें

एसोसिएशन के सदस्यों व जिला व्यापार मंडल के सदस्यों ने विधायक निखिल मदान के सामने अपनी कुछ मांगें भी रखीं। उन्होंने कहा कि सभी मांगों को पूरा करने के उपरांत वह सब्जी मंडी को स्थानांतरण करने के लिए तैयार हैं। उन्होंने कहा कि पुरानी सब्जी मंडी में कार्यरत सभी योग्य दुकानदारों को रिजर्व कीमत पर पुरानी नीति के तहत दुकान दी जाए। सभी दुकानदारों को ड्रॉ के जरिए दुकान अलॉट की जाए। नई सब्जी मंडी का लेवल सड़क से काफी नीचे है, इसलिए दुकान बनाने के लिए बेसमेंट व फ्लोर लेवल को ऊंचा करने की अनुमति प्रदान की जाए। जो दुकानदार नगद में दुकान के पैसे नहीं भर सकते, उन्हें सरकार की नीति के तहत किस्तों पर दुकान दी जाए। जो दुकानदार पूर्व में किसी कारणवश फॉर्म भरने में असमर्थ थे या उनकी पात्रता में कुछ कमी रह गई थी, उनकी प्रशासन से मांग है कि सहानुभूति पूर्ण तरीके से विचार कर तुरंत फैसला करके उन्हें भी दुकान अलॉट की जाए।

भजन क्लबिंग कार्यक्रम में होगा संस्कृति-शिक्षा का संगम

हरिभूमि न्यूज ▶▶ गोहाना

प्रो. सुदेश।

भगत फूल सिंह महिला विवि में आज सांस्कृतिक, आध्यात्मिक एवं शैक्षणिक गतिविधियों का भव्य संगम देखने को मिलेगा। विवि मे जनता टीवी के तत्वावधान में आयोजित इस कार्यक्रम के साथ-साथ एक अत्याधुनिक डिजिटल लाइब्रेरी का भी उद्घाटन किया जाएगा।

विवि की कुलपति प्रो. सुदेश के अनुसार कार्यक्रम के मुख्य अतिथि शिक्षा मंत्री महिपाल सिंह ढांडा होंगे। भजन क्लबिंग कार्यक्रम में 10 प्रसिद्ध गायक आध्यात्मिक भजनों, देशभक्ति गीतों एवं होली के उल्लासपूर्ण गीतों की प्रस्तुति देंगे। कार्यक्रम का विशेष आकर्षण होली गीतों के दौरान की जाने वाली पुष्प वर्षा होगी। इस दौरान शिक्षा मंत्री द्वारा कॉरपोरेट सोशल रिस्पॉन्सिबिलिटी (सीएसआर) के अंतर्गत लगभग 90 लाख रुपये की लागत से निर्मित डिजिटल लाइब्रेरी का उद्घाटन करेंगे। डिजिटल लाइब्रेरी का निर्माण कल्लूवालिया कंस्ट्रक्शन प्राइवेट लिमिटेड के प्रबंध निदेशक अनिल सांगवान द्वारा सीएसआर के तहत कराया गया है।

अधिवक्ता आशा अहलावत कांग्रेस की जिला महासचिव नियुक्त

सोनीपत। जिला कांग्रेस कमेटी में महासचिव बनाए जाने पर अधिवक्ता आशा अहलावत ने पार्टी के शीर्ष नेतृत्व, प्रदेश अध्यक्ष राव नरेंद्र, शहरी जिला अध्यक्ष कमल दिवान का आभार जताया। उन्होंने आश्वासन दिया कि वह दायित्व का निर्वहन पूरी ईमानदारी, निष्ठा व समर्पण के साथ करेंगी। पार्टी की विचारधारा व नीतियों को जन-जन तक पहुंचाने के लिए निरंतर प्रयासरत रहेंगी। उन्होंने बताया कि कांग्रेस से उनका पुराना नाता है। उनके दादा जयलाल ने देश की आजाद में अहम भूमिका निभाई, वह महात्मा गांधी के साथ लाहौर जेल में वर्ष 1946 में कैद रहे। उन्होंने 4 वर्ष से महिला कांग्रेस में पूरी निष्ठा व मेहनत से कार्य किया। उन्हें महिला कांग्रेस प्रदेश महासचिव से जिला महासचिव नियुक्त किए जाने पर गर्व है।

सोनीपत। शहरी जिला अध्यक्ष कमल दिवान का आभार जताती अधिवक्ता आशा अहलावत।

भारतीय किसान यूनियन एकता सिद्धूपुर की बैठक

हाईटेंशन लाइनों के मुआवजे व प्रदेश स्तरीय आंदोलनों पर बनी रणनीति

हरिभूमि न्यूज ▶▶ सोनीपत

किसान रेस्ट हाउस में भारतीय किसान यूनियन एकता सिद्धूपुर की जिला कार्यकारिणी की बैठक आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता जिला प्रधान बेदी दहिया ने की, जबकि संचालन हँसबीर खरब ने किया। बैठक में प्रदेश उपाध्यक्ष वीरेंद्र पहल, प्रदेश सचिव वीरेंद्र खोखर, जिला उपाध्यक्ष समुंदर तोमर, गोहाना ब्लॉक प्रधान राजबीर माजरा, कथूरा ब्लॉक प्रधान सुनील मलिक सहित अनेक किसान नेता मौजूद रहे। बैठक में निर्णय लिया गया कि 27 जनवरी को बिजली की हाईटेंशन लाइनों के उचित मुआवजे की मांग को लेकर हांसी जिले में होने वाले प्रदेश स्तरीय धरना प्रदर्शन में सोनीपत जिले से बड़ी संख्या में किसान भाग लेंगे।

उपायुक्त ने दिया आश्वासन

बैठक के बाद किसानों ने उपायुक्त सुशील सारवान और डीडीए पवन शर्मा से मुलाकात की। उपायुक्त ने बताया कि सरकार के कानून अनुसार हाईटेंशन लाइनों का मुआवजा किसानों को मिलेगा और आदेशों की अवहेलना पर सख्त कार्रवाई होगी। इसके अलावा झरोठी टोल पर किसानों से हुई बदतमीजी पर टोल प्रबंधन ने खेद जताते हुए भविष्य में ऐसी घटना न होने का आश्वासन दिया।

गणतंत्र दिवस के दृष्टिगत पार्षदों ने प्रस्तावित धरना प्रदर्शन को टाला

खरखौदा। गणतंत्र दिवस समारोह को ध्यान में रखते हुए नगरपालिका पार्षदों ने 20 जनवरी के प्रस्तावित धरना को 26 जनवरी तक स्थगित कर दिया है। यह जानकारी देते हुए पार्षद नवीन दहिया ने बताया कि वैसे पार्षद अपने बयान दर्ज कराने 21 जनवरी को पुलिस थाना खरखौदा में जाएंगे। 23 जनवरी को निगम कमिश्नर सोनीपत के साथ पार्षदों की संभावित बैठक को देखते हुए और 26 जनवरी को गणतंत्र दिवस जैसे राष्ट्रीय पर्व के दृष्टिगत पार्षदों ने 20 जनवरी से शुरू होने वाले धरने को 26 जनवरी तक स्थगित कर दिया है।

कड़ाके की ठंड में विभिन्न स्थानों पर वितरित किए कंबल

जरूरतमंद को सहारा देना पुनीत कार्य

सक्षम लोगों को सेवा कार्यों में करनी चाहिए भागीदारी : दिवान

हरिभूमि न्यूज ▶▶ सोनीपत

बढ़ती ठंड और शीतलहर के प्रकोप को देखते हुए विभिन्न वार्डों में कंबल वितरण समारोह का आयोजन किया गया। शहरी जिला अध्यक्ष कमल दिवान की पत्नी मेघा दिवान ने मुख्य अतिथि के रूप में शिरकत करते हुए जरूरतमंद परिवारों को कंबल भेंट किए। इस दौरान उन्होंने आह्वान किया कि समाज के सक्षम लोगों को आगे आकर नर सेवा के कार्यों में अपनी भागीदारी सुनिश्चित करनी चाहिए। भीषण ठंड के इस मौसम में किसी जरूरतमंद को सहारा देना सबसे पुनीत कार्य है। हमारे संस्कार हमें यही सिखाते हैं कि गरीब और असहाय की सेवा ही ईश्वर की सच्ची भक्ति है।

जरूरतमंदों को राहत सामग्री पहुंचाई

कंबल वितरण कालूपुर में किया गया, जहां पर राजेश के सहयोग से वितरण कार्यक्रम का आयोजन हुआ। कोट मोहल्ला में जानी मेहरा के विशेष सहयोग से जरूरतमंदों को राहत सामग्री पहुंचाई गई। डिफेंस कालोनी में जगबीर मलिक के सहयोग से शिविर लगाया गया। इन कार्यक्रम में कमल दिवान की माता बिमला दिवान ने भी अपनी उपस्थिति दर्ज कराई और आशीर्वाद दिया। उनके साथ सामाजिक कार्यकर्ता सरल मलिक और पायल मलिक ने भी वितरण प्रक्रिया में सक्रिय भूमिका निभाई।

आरएसएस सेवा कार्यों में अग्रणी : आहुजा

गोहाना। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) की स्थापना के 100 वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में आदर्श नगर स्थित हंस ध्वनि सभागार में प्रमुख नागरिक विचार गोष्ठी आयोजित की गई। मुख्य वक्ता आरएसएस के प्रांत कार्यकारिणी सदस्य सुभाष आहुजा और अखिल भारतीय कार्यकारिणी सदस्य तारा बहन रहीं। अध्यक्षता सेवानिवृत्त लेफ्टिनेंट कर्नल रामकुमार जांगड़ा ने की। कार्यक्रम का शुभारंभ संघ नगर चालक सुरेंद्र गर्ग ने किया। संयोजन और मंच संचालन अधिवक्ता रामकुमार मित्तल ने किया। मुख्य वक्ता सुभाष आहुजा ने संघ की शताब्दी यात्रा पर प्रकाश डालते हुए कहा कि संघ ने पिछले 100 वर्षों में सामाजिक जागरण, राष्ट्र निर्माण और सेवा के अनेक कार्य किए। उन्होंने संस्थापक डा. केशव बलिराम हेडगेवार के विचारों को संघ की कार्यपद्धति का आधार बताया। उन्होंने 1947, 1962, 1965 और 1971 के युद्धों, गोवा मुक्ति आंदोलन, विभाजन काल के राहत कार्यों, आपदाओं, कोरोना काल की सेवा गतिविधियों और श्रीराम जन्मभूमि आंदोलन में संघ की भूमिका पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि संघ की शाखाओं से देशभक्ति, अनुशासन, समरसता और राष्ट्रीय स्वाभिमान के संस्कार मिलते हैं। दूसरी मुख्य वक्ता तारा बहन ने पंच परिवर्तन की अवधारणा पर प्रकाश डालते हुए कहा कि संयुक्त परिवार, संस्कार और वसुधैव कुटुंबकम के सिद्धांत को भारत के दोबारा विश्वगुरु बनने के लिए आवश्यक बताया। कार्यक्रम अध्यक्ष लेफ्टिनेंट कर्नल रामकुमार जांगड़ा ने संघ के अनुशासन और चरित्र निर्माण पर बल देते हुए विचारधारा को आगे बढ़ाने का आह्वान किया।

भारत मंडपम पुस्तक मेले में सैन्य इतिहास और आधुनिक तकनीक की दी जानकारी

सोनीपत। हिंदू गर्ल्स कॉलेज के एनसीसी कैडेट्स ने शनिवार को नई दिल्ली के भारत मंडपम में आयोजित इंटरनेशनल मिल्ट्री हिस्ट्री थीम आधारित पुस्तक मेले का शैक्षणिक भ्रमण किया। इस भ्रमण में कॉलेज के 35 एनसीसी कैडेट्स ने भाग लिया, जिनका नेतृत्व एसोसिएट एनसीसी ऑफिसर कैप्टन नसीयर दूहन ने किया। भ्रमण का उद्देश्य कैडेट्स को भारतीय सशस्त्र बलों के गौरवशाली इतिहास, आधुनिक सैन्य तकनीकों तथा एनसीसी बी और सी सर्टिफिकेट पाठ्यक्रम से संबंधित व्यावहारिक जानकारी देना रहा। इस दौरान कैडेट्स ने रक्षा क्षेत्र में महिलाओं की भूमिका से जुड़े प्रदर्शनों को देखा और सशस्त्र बलों के जवानों से प्रत्यक्ष संवाद कर अनुशासन, कर्तव्यनिष्ठा और राष्ट्रसेवा के महत्व को समझा। हिंदू एजुकेशनल एंड चैरिटेबल सोसायटी द्वारा यात्रा की सभी व्यवस्थाएं की गईं।

जीवीएम की छात्राओं ने विश्वविद्यालय स्तर पर 17 मेरिट प्राप्त की

दीपाली बीसीए छठे सेमेस्टर की यूनिवर्सिटी टॉपर बनी

हरिभूमि न्यूज ▶▶ सोनीपत

महर्षि दयानंद विश्वविद्यालय रोहतक द्वारा घोषित बीसीए के पहले से छठे सैमेस्टर तक के परीक्षा परिणामों में दमदार प्रदर्शन करते हुए जीवीएम गल्र्ज कालेज की 17 छात्राओं ने विश्वविद्यालय स्तर पर मेरिट हासिल की है। जीवीएम की दीपाली ने बीसीए के छठे सैमेस्टर में 85.73 प्रतिशत अंक लेकर विश्वविद्यालय की टॉपर बनने का गौरव हासिल किया है, जबकि नैन्सी 82.27 प्रतिशत अंकों के साथ विश्वविद्यालय में 11वें स्थान पर रही। संस्था के प्रधान डा. ओपी परूथी व प्राचार्या डा. मंजुला स्पाह ने विश्वविद्यालय की टॉप-20 सूची में शामिल छात्राओं को बधाई देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

सोनीपत। जीवीएम गर्ल्स कॉलेज में मेरिट हासिल करने वाली छात्राओं के साथ प्राचार्या एवं अन्य।

जीवीएम के कंप्यूटर साइंस विभागाध्यक्ष राकेश जुनेजा ने परीक्षा परिणामों की जानकारी दी। उन्होंने बताया कि विश्वविद्यालय ने बीसीए के पहले, दूसरे, तीसरे, चौथे तथा पांचवें और छठे सैमेस्टर के परीक्षा परिणामों की घोषणा की है। इनमें जीवीएम की छात्राओं ने शानदार प्रदर्शन किया है। बीसीए के पहले सैमेस्टर में जीवीएम की चार छात्राओं ने विश्वविद्यालय की टॉप-20 सूची में नाम दर्ज करवाया है। बीसीए के दूसरे सैमेस्टर में भी जीवीएम की चार छात्राओं ने विश्वविद्यालय स्तर पर चमत्कृत प्रदर्शन किया है। बीसीए के तीसरे सैमेस्टर में जीवीएम की पांच छात्राओं ने विश्वविद्यालय की टॉप-20 सूची में पांच छात्राओं ने कब्जा जमाया।

सोनीपत। कार्यक्रम के दौरान अतिथियों के साथ विद्यार्थी एवं स्टाफ।

महिलाओं की सुरक्षा, आत्मविश्वास और सशक्तिकरण पर दिया गया जोर

सोनीपत। गेटवे शिक्षण संस्थान के गेटवे शिक्षा परिसर में राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई और महिला संपर्क एवं जागरूकता केंद्र के संयुक्त तत्वावधान में महिलाओं की सुरक्षा एवं सशक्तिकरण के उद्देश्य से आत्मरक्षा जागरूकता एवं प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में छात्राओं, महिला शिक्षिकाओं, महिला कर्मचारियों, चतुर्थ श्रेणी कर्मचारियों तथा एनएसएस स्वयंसेवकों ने भाग लिया। कार्यक्रम का समन्वय तरुणा गर्ग ने किया।

कार्यक्रम कॉलेज डायरेक्टर कर्नल डॉ. अमिक गर्ग के मार्गदर्शन और छात्र कल्याण अधिष्ठाता अजय कुमार के संरक्षण में आयोजित हुआ। मुख्य अतिथि महिला पुलिस थाना की थाना प्रभारी निरीक्षक कविता रहीं। उन्होंने आत्मरक्षा को आत्मविश्वास और मानसिक दृढ़ता के लिए आवश्यक बताया। इसके बाद महिला पुलिसकर्मियों ने व्यावहारिक आत्मरक्षा तकनीकों का प्रशिक्षण दिया। कार्यक्रम में एनएसएस स्वयंसेवकों की भूमिका सराहनीय रही।

हरिभूमि
आवश्यक सूचना
जिन पाठकों को अखबार मिलने में किसी भी प्रकार की असुविधा हो रही हो या उनके घर में कोई अन्य अखबार दिया जा रहा हो वह इन टेलीफोन नम्बरों पर सम्पर्क करें या व्हाट्सअप करें :-
हरिभूमि कार्यालय, बीएसएनएल के सामने, पुल के साथ, सोनीपत
फोन : 8295154800, 9253681010, 9253681005

मृत्यु अंत नहीं है
मृत्यु कभी भी अंत नहीं हो सकती
मृत्यु एक पथ है, जीवन एक यात्रा है
आत्मा पथ प्रदर्शक है।
हरिभूमि
राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक
इस शोकाकुल समय में हम आपके सहभागी हैं।
तेरहवीं/श्रद्धान्जलि/शोक संदेश
आप अर्पित कीजिये अपने श्रद्धा-सुमन हरिभूमि के माध्यम से

साईज	संस्करण	विशेष छूट राशि
5 X 8 सें.मी 10X 8 सें.मी	स्थानीय संस्करण के अन्दर के पृष्ठ पर	रु. 2000/- रु. 2500/-

+5% GST Extra
नोट : विशेष छूट राशि केवल उपरोक्त साईज पर मान्य। अन्य किसी साईज के लिए कार्ड रेट लागू।
अधिक जानकारी के लिए सम्पर्क करें
हरिभूमि कार्यालय, बीएसएनएल के सामने, पुल के साथ, सोनीपत
फोन 0130-4012310, 9253681028

कार्यक्रम पहले दिन शिक्षकों ने जांचा विद्यार्थियों का गृह कार्य, अब परीक्षाओं की तैयारी में जुटेंगे विद्यार्थी

विद्यालय शिक्षा निदेशालय की ओर से प्रदेशभर के राजकीय व निजी विद्यालयों में किए गए थे अवकाश

शीतकालीन अवकाश के बाद स्कूलों में लौटी रौनक 70 फीसदी उपस्थिति, विद्यार्थियों में दिखा उत्साह

हरिभूमि न्यूज ▶▶ सोनीपत

शीतकालीन अवकाश के बाद सोमवार को जिला के राजकीय व निजी विद्यालयों में रौनक लौट आई है। राजकीय विद्यालयों में 19 दिन के अवकाश के बाद पहले दिन विद्यार्थियों की करीब 70 फीसदी उपस्थिति रही। स्कूल खुलने के बाद विद्यार्थी जहां उत्साहित नजर आए, वहीं शिक्षकों ने विद्यार्थियों के गृह कार्य की जांच की। साथ ही आगामी पाठ्यक्रम के बारे में जानकारी दी।

सोनीपत। सोनीपत के मुरथल अड्डा स्थित पीएमश्री राजकीय कन्या विद्यालय में प्रार्थना सभा के दौरान मौजूद छात्राएं।

शिक्षकों ने ली राहत की सांस

विद्यालय शिक्षा निदेशालय की ओर से प्रदेशभर के सभी राजकीय व निजी विद्यालयों में अवकाश घोषित किए गए थे। सोमवार को स्कूल खुलने के बाद एक बार फिर रौनक लौटने से दिनभर चहल-पहल का माहौल रहा। दिनभर धूप खिलने पर शिक्षकों व विद्यार्थियों को राहत की सांस मिली। शिक्षकों ने पुनः पढ़ाई का दौर शुरू करते हुए विद्यार्थियों के गृह कार्य की जांच की। साथ ही विद्यार्थियों से पढ़ाए गए पाठ्यक्रम के बारे में जानकारी ली। अब शिक्षक वार्षिक परीक्षा को लेकर शेष पाठ्यक्रम की शुरुआत करेंगे।

नियमित स्कूल आने के लिए प्रेरित किया

मुरथल अड्डा स्थित पीएमश्री राजकीय कन्या वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय की प्राचार्य सुमन बाला ने बताया कि शीतकालीन अवकाश के बाद स्कूल खुल गए हैं। हालांकि पहले दिन स्कूल आने वाली छात्राओं की संख्या ज्यादा नहीं रही। उन्होंने सभी छात्राओं को अब नियमित रूप से स्कूल आने के लिए प्रेरित किया। आमतौर पर फरवरी-मार्च माह में बोर्ड की परीक्षाएं भी प्रारंभ हो जाती हैं, ऐसे में परीक्षाओं की तैयारी पर फोकस करना जरूरी है।

अधिकारियों को स्कूलों के निरीक्षण के निर्देश

शीतकालीन अवकाश खत्म होने के बाद सोमवार को जिलाभर के सभी स्कूल खुल गए। अधिकतर स्कूलों में पहले दिन बच्चों की उपस्थिति कम रही। सभी प्राचार्यों व शिक्षकों को आगामी वार्षिक परीक्षाओं को लेकर विद्यार्थियों की जल्द तैयारी शुरू करवाने के निर्देश दिए गए हैं। सभी खंड शिक्षा अधिकारियों को विद्यार्थियों की तैयारी का आकलन करने के लिए स्कूलों का निरीक्षण कर जांच करने के निर्देश दिए गए हैं।

-नवीन गुलिया, जिला शिक्षा अधिकारी, सोनीपत